जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, गुरुवार 30 अप्रैल, 2026

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

काल करे सो आज कर
आज करे सो अब
कल से 5 लाख रेट बढ़ेगी
बुकिंग करवाओगे कब ?

₹4000/- Sq ft में फ्लैट | ₹5000/- Sq ft में कोठी

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

आप कौनसी चक्की का आटा खाते हो ?

केसरी जुबान वाले अंकल की ?
सड़क किनारे धूल मिट्टी खाती ?
जर्जर हो चुकी मशीन वाली ?
गेहूँ मिलावट का केन्द्र ?
सालों से साफ नहीं करी हुई ?
चूहों और कॉकरोचों का पार्टी स्थल ?

या

16 STEP FULLY AUTOMATED SWISS TECH BÜHLER PLANT WALA

FROM CORE WHEAT GROWING REGIONS
HIGH FIBER. SOURCE OF PROTEIN
DESHI CHAKKI AATA
5 kg | MRP ₹ 250

MEDIUM SIZE GRANULES
IDEAL FOR HALWA & UPMA
SEMOLINA (SUJI)
500 g | MRP ₹ 45

MADE FROM MP SHARBATI WHEAT GRAINS
HIGH FIBER. SOURCE OF PROTEIN
SHARBATI SUPERIOR AATA
5 kg | MRP ₹ 350

रिटेलर हो या कस्टमर
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

54000 + RETAILERS | SUPERMARKETS | ZEPTO | WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

ORDER ON WEBSITE
ORDER ON WHATSAPP
ORDER ON APP
ORDER ON ZEPTO
*T & C Apply

विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है। –सुकरात

पेयजल लाइनों में लीकेज सुधार और हैंडपंप रखरखाव सरकार की संवेदनशीलता का परिचायक

जनता के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए राजस्थान सरकार ने गर्मी का मौसम शुरु होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता व पेयजल साधनों खासतौर से पाइपलाइन व हैंडपंपों के रखरखाव व मरम्मत का कार्य दो दिन का अभियान चलाकर करके सरकार की सजगता का परिचायक है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि राज्यव्यापी विशेष अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में चलाते हुए पानी से जुड़ी सभी योजनाओं यथा जल जीवन मिशन, अमृत योजना और ग्रीष्मकालीन कन्टीजेंसी कार्यों को अभियान के दायरे में लाया गया। अब तक का अनुभव यह रहा है कि गर्मी का मौसम आते-आते स्थानीय प्रशासन और सरकार दोनों के सामने ही पानी-बिजली की समस्या होती आई है। खासतौर से ग्रामीण क्षेत्र में पानी-बिजली की समस्या अधिक गंभीर होती है। एक तरफ तापमान में बढ़ोतरी, दूसरी तरफ शहरों-गांवों में बिजली की मांग बढ़ने और अत्यधिक मांग वृद्धि के कारण बिजली कटौती ऐसी समस्या हो जाती है जो लाख प्रयास करने पर भी अपना असर दिखा ही देती है। बिजली से भी अधिक समस्या पानी, खासतौर से पीने के पानी की होती है। ऐसे में स्थानीय प्रशासन और जलदाय विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के सामने गंभीर चुनौती उभर जाती है। हांलाकि इस समस्या को समय रहते प्लान बनाकर पूरी तरह तो नहीं पर काफी हद तक कम करके आमजन को राहत दी जा सकती है। यही कारण है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर समूचे प्रदेश में ग्रामीण स्तर पर 18 और 19 अप्रेल को दो दिवसीय राज्यव्यापी विशेष अभियान चलाकर पाइपलाइनों के लीकेज से लेकर खराब हैंडपंपों के सुधार तक के कार्य को किया जाना सरकार की आमजन के प्रति गंभीरता का परिचायक है।

प्रदेशभर में जल जीवन मिशन, अमृत, ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी कार्यो, क्षतिग्रस्त पाईप लाइनों एवं हैण्डपम्पों का जिला प्रशासन एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों द्वारा सघन निरीक्षण का अभियान चलाया गया और अभियान के दौरान हजारों स्थानों पर पाईप लाईन लीकेज व हैंडपंपों की मरम्मत कर ठीक किया गया। 18 एवं 19 अप्रेल को संचालित राज्यव्यापी विशेष अभियान में जिला कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं खण्ड विकास अधिकारियों ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तकनीकी अधिकारियों के साथ गांव-गांव जाकर कार्यो को देखा और लीकेज व खराब पाइपलाइनों, हैंडपंपों को मौके पर ही मरम्मत कार्य करवाया गया ताकि गर्मी में गांववासियों को असुविधा ना हो।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्धता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रदेशभर में जल जीवन मिशन, अमृत, ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी कार्यों, क्षतिग्रस्त पाईप लाइनों एवं हैण्डपम्पों का जिला प्रशासन एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों द्वारा सघन निरीक्षण का अभियान चलाया गया और अभियान के दौरान हजारों स्थानों पर पाईप लाईन लीकेज व हैंडपंपों की मरम्मत कर ठीक किया गया। 18 एवं 19 अप्रेल को संचालित राज्यव्यापी विशेष अभियान में जिला कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार एवं खण्ड विकास अधिकारियों ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के तकनीकी अधिकारियों के साथ गांव-गांव जाकर कार्यों को देखा और लीकेज व खराब पाइपलाइनों, हैंडपंपों को मौके पर ही मरम्मत कार्य करवाया गया ताकि गर्मी में गांववासियों को असुविधा ना हो। सरकार का दावा है कि अभियान के अन्तर्गत 2677 कार्यों का निरीक्षण किये गये, जिनमें जल जीवन मिशन के 407, अमृत योजना के 80, ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी के 77 कार्य एवं अवरूद्ध हैण्डपम्प, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन आदि के कार्य करवाये गये। ग्रामीणों द्वारा दर्ज 2792 शिकायतों में से 2775 शिकायतों को तकनीकी कर्मचारी एवं अभियन्ताओं की लगभग 450 टीमों द्वारा निराकरण किया गया। सरकार का दावा है कि इनमें 1535 हैण्डपम्प मरम्मत, 911 पाइपलाइन लीकेज सुधार एवं 329 अन्य सुधार कार्य शामिल है।

आंकड़ों पर नहीं भी जाया जाएं तो इस दो दिवसीय अभियान से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि सरकार गर्मी के मौसम में पानी की सुचारु व्यवस्था को लेकर गंभीर है। इसके साथ ही जब सरकार का मुखिया स्वयं संवेदनशील होता है तो फिर उसका मैसेज नीचले स्तर तक अवश्य जाता है और यही कारण है कि गर्मी को देखते हुए जल प्रबंधन से जुड़े पीएचईडी विभाग सहित संबंधित विभाग चुस्त दुरुस्त होकर जुट गए हैं। मुख्यमंत्री और सरकार की मंशा भी अब स्पष्ट हो गई है ऐसे में फील्ड स्तर पर किसी तरह की कोताही की संभावनाएं नगण्य रह जाती है। पीएचईडी और जल संसाधन से जुड़े फील्ड अधिकारियों को गर्मी के मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भावनाओं और मंशा के अनुसार अति सक्रिय होकर पानी की व्यवस्था को बनाए रखने के लिए मुस्तेद रहना होगा। ग्रामीणों और आमनागरिकों को भी पानी की एक एक बूंद को सहेजने का संकल्प लेना होगा क्योंकि एक एक बूंद पानी की बचत से हम जरुरतमंद अन्य लोगों तक पानी उपलब्ध कराने में अपना योगदान दे सकेंगे। पानी का किसी भी तरह से दुरुपयोग या अनावश्यक उपयोग नहीं होना चाहिए, यह हम सबकी जिम्मेदारी हो जाती है। पानी की उपलब्धता के पावन कार्य में प्रत्येक नागरिक की अपनी भूमिका होती है और हमें हमारी जिम्मेदारी को जिम्मेदार नागरिक के रुप में निभानी होगीं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 30 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, चित्रा नक्षत्र रात्रि 2:17 तक, वज्र योग रात्रि 8:55 तक, गर करण प्रातः 8:32 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:14 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 2:17 तक है। भद्रा रात्रि 9:13 से आरम्भ होगी। आज बुध अश्विनी मेष राशि में प्रातः 6:52 पर प्रवेश करेगा। आज छिन्न माता जयन्ती, श्री नृसिंह जयन्ती और व्रत है। आज श्री आद्यशंकाराचार्य कैलाश गमन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:31 तक, चर 10:46 से 12:24 तक, लाभ-अमृत 12:24 से 3:39 तक, शुभ 5:17 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:00 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 6:55

मेष
व्यक्तिगत पारिवारिक परेशानियां दूर होने लगेगी। परेशानियां दूर होने लगेगी। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज व्यक्तिगत प्रयासों और मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
अपने आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात यात्रा संभव है।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

भारत में दूध की सच्चाई : उत्पादन का सम्राट या मिलावट का साम्राज्य?

सुनील दत्त गोयल

कपूरे विश्व में लोग ऐसा मानते हैं कि भारत दूध का सबसे बड़ा उत्पादक देश है और सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। यह धारणा दशकों से दोहराई जाती रही है और इतनी बार दोहराई गई है कि अब इसे बिना सवाल किए सच मान लिया गया है। लेकिन जब हम इस दावे को तथ्यों और जमीनी वास्तविकताओं के आधार पर परखते हैं, तो तस्वीर उतनी चमकदार नहीं दिखती। हाँ, यह सही है कि भारत का कुल दूध उत्पादन लगभग 248 मिलियन टन के आसपास बताया जाता है और करीब 8.9 करोड़ लोग इस क्षेत्र से जुड़े हैं, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह पूरा दूध वास्तव में शुद्ध है, या हम केवल आंकड़ों के भ्रम में जी रहे हैं।

भारत में पशुओं की संख्या बहुत अधिक है – लगभग 30 करोड़ के आसपास। पहली नजर में यह संख्या गर्व करने योग्य लगती है, लेकिन जब हम इसे तोड़कर देखते हैं, तो सच्चाई सामने आती है कि इनमें से केवल 13-14 करोड़ पशु ही किसी समय दूध दे रहे होते हैं। बाकी या तो सूखे (ड्रा) होते हैं, या उत्पादन में शामिल नहीं होते। इसका मतलब यह है कि हम वास्तविक उत्पादन क्षमता से अधिक संख्या का प्रचार कर रहे हैं। यह एक ऐसा भ्रम है जो न केवल नीति-निर्माताओं को बल्कि आम जनता को भी गुमराह करता है।

जब हम भारत के डेयरी सेक्टर की तुलना विकसित देशों से करते हैं, तो अंतर और स्पष्ट हो जाता है। भारत में लगभग 14 करोड़ दूध देने वाले पशु हैं, जबकि अमेरिका में केवल लगभग 90 लाख। इसके बावजूद अमेरिका लगभग 100 मिलियन टन दूध उत्पादन करता है। इसका मतलब यह है कि भारत में उत्पादन संख्या के बल पर है, जबकि विकसित देशों में यह दक्षता, प्रबंधन और तकनीक के आधार पर है। भारत में प्रति पशु उत्पादन बहुत कम है, और यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी है।

हम गायों को 'माता' का दर्जा देते हैं। यह भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत बड़ा स्थान है। लेकिन क्या हम वास्तव में उस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं जो 'माँ' शब्द के साथ आती है? माँ का मतलब केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवनभर देखभाल, पोषण और सुरक्षा होता है। बल्कि यह कहना उचित होगा कि हम गौ माँ के साथ रहते हैं और वो जीवन भर हमारा भरण पोषण करती हैं। भारतीय संस्कृति में गायों को माँ का दर्जा इसीलिए दिया गया है क्योंकि उनके बिना परिवार चल ही नहीं सकता था, गाय के दूध से ही दही, घी, मक्खन इत्यादि बनता था जिससे पूरे परिवार का पोषण होता था और अतिरिक्त दुग्ध उत्पादों को बेचकर गुजारा चल जाता था। वास्तविकता यह है कि अधिकांश दुधारू पशुओं के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वह इस सम्मान के बिल्कुल विपरीत है।

दुग्ध उत्पादक सुबह दूध निकालने के बाद अक्सर पशुओं को खुले में छोड़ देते हैं। उन्हें न तो संतुलित आहार मिलता है और न ही पर्याप्त पानी। जबकि वैज्ञानिक रूप से यह स्थापित है कि एक दुधारू पशु को दिन भर में कम से कम 60 लीटर पानी पीने के लिए चाहिए और 30 से 40 लीटर अन्य आवश्यक क्रियाओं के लिए। इसके अलावा, पशु के वजन के अनुसार हरा चारा, सूखा चारा और पोषक आहार देना जरूरी है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन बुनियादी जरूरतों को भी पूरा नहीं किया जाता।

पशुओं का समय पर टीकाकरण, कृमिनाशक दवाइयाँ, नियमित स्वास्थ्य जांच – ये सब डेयरी प्रबंधन के मूल स्तंभ हैं। लेकिन इनका पालन बहुत सीमित स्तर पर होता है। दुधारू पशुओं का समय पर गर्भाधान और गर्भावस्था के दौरान अतिरिक्त पोषण देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह पूरी प्रक्रिया इतनी संवेदनशील होती है कि इसकी तुलना घर में एक गर्भवती महिला की देखभाल से की जा सकती है। लेकिन व्यवहार में यह संवेदनशीलता कहीं दिखाई नहीं देती।

मैं यह बातें केवल सैद्धांतिक रूप से नहीं कह रहा हूँ। मैंने स्वयं भीलवाड़ा के ठाम रायला तहसील बनेड़ा में 2006 से 2012 तक लगभग 500 गायों का डेयरी फार्म चलाया है। मैंने इस सिस्टम को अंदर से देखा है, जिया है। बड़े सपने थे कि आधुनिक डेयरी मॉडल स्थापित किया जाएगा, लेकिन बैंकों, स्थानीय छुटभैये नेताओं, जाति और धर्म के ठेकेदारों और सलाहकारों के भ्रष्टाचार ने सब कुछ खत्म कर दिया। करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ और अंततः 500 गायों को मुफ्त में देकर फार्म बंद करना पड़ा। जमीन बेचकर कर्ज चुकाना पड़ा। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं थी, बल्कि सिस्टम की विफलता का परिणाम था। जबकि मेरा यह पूरा प्रोजेक्ट जर्मनी एवं स्वीडन की बहुत बड़ी कंपनियों के तकनिकी सहयोग से चल रहा था। इसकी पूरी जानकारी मेरी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अब सबसे महत्वपूर्ण और असहज सवाल – त्योहारों के दौरान अचानक दूध कहाँ से आता है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ साल भर त्योहार, शादियाँ, भंडारे और सामाजिक आयोजन चलते रहते हैं। इन अवसरों पर दूध और डेयरी उत्पादों एवं मिठाइयों की मांग अचानक 2 से 4 गुना तक बढ़ जाती है। यह एक सामान्य आर्थिक व्यवहार है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब हम यह समझने की कोशिश करते हैं कि इस मांग को पूरा कैसे किया जाता है। क्या पशु अचानक ज्यादा दूध देने लगते हैं? क्या उनके शरीर में कोई ऐसा तंत्र है जो मांग के अनुसार उत्पादन बढ़ा देता है? नहीं। यह पूरी तरह जैविक प्रक्रिया है और इसे अचानक बढ़ाया नहीं जा सकता। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि बड़ी कंपनियाँ अतिरिक्त दूध को मिल्क पाउडर (एस्ड़) में बदलकर स्टोर करती हैं और जरूरत पड़ने पर उसे फिर से उपयोग में लाती हैं। यह तर्क आंशिक रूप से सही है और संगठित डेयरी सेक्टर में ऐसा होता भी है।

यह सोच का विषय है की कभी सुनने में नहीं आया की भारत में कभी दूध की कमी हो गई हो या कभी घरों में दूध देने आने वाले लोगों ने कहा हो की अगले कुछ दिनों तक मेरे यहाँ दूध का उत्पादन कम रहेगा।

लेकिन भारत का लगभग 60 प्रतिशत डेयरी सेक्टर असंगठित है। और यहीं पर सबसे बड़ा खेल चलता है। जब मांग बढ़ती है, तो सप्लाई को एडजस्ट किया जाता है। यह एडजस्टमेंट वैज्ञानिक तरीके से नहीं, बल्कि मिलावट, सिंथेटिक दूध और घटिया गुणवत्ता के माध्यम से होता है। यही वह ग्रे ज़ोन है जिसे कोई खुलकर स्वीकार नहीं करता, लेकिन जो वास्तविकता में मौजूद है।

मिलावटी और नकली दूध के बीच का अंतर समझना जरूरी है।

मिलावटी दूध में असली दूध होता है, लेकिन उसमें पानी या अन्य पदार्थ मिलाए जाते हैं।

नकली दूध पूरी तरह रसायनों से तैयार किया जाता है। आज बाजार में दोनों प्रकार के उत्पाद मौजूद हैं और उपभोक्ता को इसका पता भी नहीं चलता।

मिलावट का स्तर इतना बढ़ चुका है कि अब यह केवल पानी तक सीमित नहीं है।

यूरिया और डिटर्जेंट का उपयोग दूध को गाढ़ा और झागदार दिखाने के लिए किया जाता है।

स्टार्च और ग्लूकोज मिलाकर उनका घनत्व बढ़ाया जाता है।

हाइड्रोजन पेरोक्साइड और फॉर्मेलिन जैसे रसायनों का उपयोग उसे खराब होने से बचाने के लिए किया जाता है। यह सब मिलकर एक ऐसा केमिकल कॉकटेल बनाते हैं, जिसे हम रोजाना पी रहे हैं।

इनका असर धीरे-धीरे शरीर पर पड़ता है। किडनी, लिवर, हार्मोनल सिस्टम और अंततः कैंसर जैसी गंभीर बीमारियाँ इससे जुड़ी हुई हैं। यह एक धीमा जहर है, जो तुरंत असर नहीं दिखाता, लेकिन लंबे समय में शरीर को नुकसान पहुँचाता है।

2020 का कोरोना लॉकडाउन इस पूरे सिस्टम का सबसे बड़ा परीक्षण था। जब होटल, हलवाई, रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक कार्यक्रम पूरी तरह बंद थे, तब दूध की मांग अचानक गिर गई। यह एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है कि जब खपत नहीं थी, तो अतिरिक्त दूध कहाँ चला गया। क्या पशुओं ने अचानक दूध देना बंद कर दिया था ?

दूध से बने उत्पादों की स्थिति और भी चिंताजनक है। पनीर, मावा, दही और मिठाइयाँ – इनमें मिलावट का स्तर और अधिक होता है। अनुमान यह बताते हैं कि इन उत्पादों का 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा सब-स्टैंडर्ड या नकली हो सकता है। इसके बावजूद इनका उपभोग बिना किसी जांच या सवाल के किया जा रहा है।

ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन का उपयोग इस समस्या को और गंभीर बनाता है। यह इंजेक्शन दूध निकालने के लिए उपयोग किया जाता है और भारत में प्रतिबंधित है, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह आज भी आसानी से उपलब्ध है। एक ही इंजेक्शन कई पशुओं में लगाया जाता है, जिससे कृत्रिम रूप से दूध निकाला जाता है। इसके दुष्प्रभाव केवल पशुओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ते हैं।

गौशालाओं की स्थिति भी इस समस्या का हिस्सा है। दान तो बहुत होता है, लेकिन उसका सही उपयोग नहीं होता। चारा कागजों में ही खत्म हो जाता है और पशु कुपोषित रहते हैं। धार्मिक आस्था के नाम पर गलत प्रथाएँ अपनाई जाती हैं, जिससे स्थिति और खराब होती है।

भारत में दानदाताओं के द्वारा अनाप-शनाप खर्च करने की वजह से बाजार में हरे और सूखे चारे की बेवजह मांग बन जाती है और चारे के दाम बढ़ जाते हैं। इस वजह से किसान और अन्य जो पशुपालक हैं, वे महंगा चारा खरीद नहीं पाते और कंजूसी करने लगते हैं। परिणामस्वरूप उनके जानवर अंदर से कमजोर, कुपोषित और दुबले हो जाते हैं। इस प्रकार दान-धर्म के नाम पर वास्तव में उनके साथ अनर्थ हो रहा है।

जो लोग वास्तव में अपना डेयरी फार्म चला रहे हैं या दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, उनके लिए भी महंगे चारे के कारण लागत बहुत बढ़ जाती है, जिससे उनकी प्रॉफिटेबिलिटी नहीं बन पाती और अंततः वे डेयरी फार्म बंद करने पर मजबूर हो जाते हैं।

मेरा सरकार को यह सुझाव है कि यदि सरकार चाहती है कि पूरे देश में पर्याप्त मात्रा में शुद्ध दूध उपलब्ध हो तो उसे कॉर्पोरेट डेयरी फार्मिंग पर स्पष्ट और प्रभावी नीति बनानी चाहिए। अभी तक सरकार की जो भी डेयरी से संबंधित नीतियां चल रही हैं, वे वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार पर्याप्त नहीं हैं। यदि हम चाहते हैं कि नवयुवक डेयरी फार्मिंग में आएं, तो इस क्षेत्र को आधुनिक तकनीक और व्यवस्थाओं से सुसज्जित करना होगा। जिस प्रकार विदेशों में 5000 से 25000 पशुओं तक के डेयरी फार्म सामान्य रूप से संचालित होते हैं, उसी प्रकार भारत में भी बड़े स्तर पर डेयरी फार्मिंग को प्रोत्साहित करना होगा। यहां तक कि खाड़ी देशों में, जहां पानी की भारी कमी है और चारों ओर रेगिस्तान है, वहां भी 50,000 से अधिक पशुओं वाले डेयरी फार्म सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं और अपने ब्रांड के तहत सभी डेयरी उत्पादों का उत्पादन और वितरण कर रहे हैं।

सरकारी तंत्र की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। कई अधिकारी ऐसे पदों पर हैं जिनके पास न तो व्यावहारिक ज्ञान है और न ही वास्तविक अनुभव। वेटरनरी सिस्टम कमजोर है, बैंकिंग सिस्टम में गलत निर्णय लिए जाते हैं और पूरी व्यवस्था केवल कागजों पर चलती है। यही कारण है कि डेयरी सेक्टर में निवेश का जोखिम बढ़ जाता है और योग्य लोग इससे दूर रहते हैं।

जितने भी राज्य स्तरीय सरकारी सहकारी डेयरी कॉर्पोरेशन हैं, उनमें व्याप्त आकंठ भ्रष्टाचार के कारण निजी क्षेत्र का विकास बाधित हो रहा है। सरकार सस्ता दूध उपलब्ध कराने की मजबूरी में गुणवत्ता से समझौता करती दिखती है, और कई बार स्थिति ऐसी बन जाती है कि भले ही वह दूध संदिग्ध या नकली ही क्यों न हो, उसे बाजार में बनाए रखा जाता है। इस वातावरण में कॉर्पोरेट डेयरी फार्म के लिए टिकना या विकसित होना लगभग असंभव हो जाता है, क्योंकि वे न तो भ्रष्ट तंत्र से प्रतिस्पर्धा कर पाते हैं और न ही उन्हें लागत के अनुरूप उचित मूल्य मिल पाता है।

आज बड़े-बड़े ब्रांड हजारों लीटर दूध का उपयोग करते हैं। कई जगह 50,000 लीटर प्रतिदिन तक की खपत होती है, लेकिन उनका दूध कभी खराब क्यों नहीं होता, यह सवाल आज भी अनुत्तरित है। क्या इनकी कभी गहन जांच हुई है? क्या सरकार इस पर जवाबदेही तय करेगी?

भारत पहले ही डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के मामलों में अग्रणी देशों में शामिल है और अब तेजी से कैंसर की ओर बढ़ रहा है। मिलावटी दूध और खाद्य पदार्थ इस बढ़ते स्वास्थ्य संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यदि भारत सरकार वास्तव में चाहती है कि देश में डेयरी उत्पादन पारदर्शी हो और घोटाले-घपले बंद हों, तो अब समय आ गया है कि वर्तमान सहकारी ढांचे से आगे बढ़कर डेयरी सेक्टर को कॉर्पोरेट डेयरी प्रोसेसिंग मॉडल की दिशा में परिवर्तित किया जाए। इसके लिए मौजूदा कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन सिस्टम में प्रोड्यूसर कंपनी एक्ट के तहत आवश्यक सुधार कर निर्णायक कदम उठाने होंगे। पारंपरिक पाश्चरीकृत दूध की बिक्री के बजाय अल्ट्रा हीट ट्रीटमेंट (ळफ्ऊ) तकनीक अपनाकर दूध को पूरी तरह स्टेरिलाइज किया जाए और उसे एसेप्टिक पैकेजिंग में बाजार में उपलब्ध कराया जाए।

इससे दूध की शेल्फ लाइफ 30 से 180 दिन तक बढ़ सकती है, ठीक उसी तरह जैसे आज पैकेज्ड फ्रूट जूस उपलब्ध होता है। यह व्यवस्था न केवल लॉजिस्टिक्स को सरल बनाएगी, बल्कि कैरेट चोरी, दैनिक कलेक्शन-डिस्ट्रिब्यूशन में होने वाली गड़बड़ियों और बड़े पैमाने पर होने वाले भ्रष्टाचार को भी समाप्त कर सकती है।

अनुमान है कि इस बदलाव से सरकार को हर साल 20-25 हजार करोड़ रुपये तक की बचत हो सकती है, और आम जनता को हर समय सुरक्षित एवं उपलब्ध दूध मिल सकेगा। निष्कर्ष स्पष्ट है – जिस दिन यह प्रणाली पूरी तरह लागू हो जाएगी, उस दिन भारत में वास्तव में दूध की नदियाँ बहती हुई दिखाई देंगी।

अंत में सच्चाई यही है कि भारत दूध उत्पादन में नंबर 1 जरूर है, लेकिन गुणवत्ता के मामले में स्थिति बेहद चिंताजनक है। यह पूरा सिस्टम असली दूध, प्रोसेस्ड दूध और मिलावटी दूध के मिश्रण पर चल रहा है। उपभोक्ता को यह समझ ही नहीं आ रहा कि वह क्या खरीद रहा है और क्या खा रहा है।

मैं सभी से निवेदन करता हूँ कि केवल सस्ता देखकर दूध न खरीदें, बल्कि उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठाएँ। यह केवल सरकार या उद्योग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर उपभोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह जागरूक बने। क्योंकि अंत में सच्चाई यही है –

दूध अमृत भी हो सकता है... और एक संगठित जहर भी।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला: स्वाद, संस्कृति और सहकारिता का अनूठा संगम

पिंक सिटी की फिजाओं में महकती है मसालों की महक

दिनेश कुमार शर्मा

सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला अब जयपुर की विशिष्ट पहचान बन रहा है। हर साल अप्रेल-मई माह में जब मसाला मेले का आयोजन किया जाता है तो जयपुर की फिजा देश-प्रदेश के मसालों की खुशबू से महकती है। स्वाद, संस्कृति और सहकारिता के अनूठे संगम इस मेले के माध्यम से सहकारी समितियों को अपने व्यवसाय में वृद्धि का उचित प्लेटफॉर्म भी उपलब्ध होता है।

राजस्थान देश का एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जो वर्ष 2003 से निरन्तर सहकार मसाला मेले का आयोजन करते हुए उपभोक्ताओं को शुद्ध मसाले व अन्य उत्पाद उपलब्ध कराने की पहल करता आ रहा है। राष्ट्रीय स्तर के इस मसाला मेले का जयपुरवासियों को खास इंतजार रहता है। मेले में विभिन्न राज्य की सहकारी संस्थाओं के साथ ही राज्य की सहकारी संस्थाओं द्वारा भागीदारी की जाती है। उत्पादक और उपभोक्ता दोनों ही इस मेले के आयोजन से लाभान्वित होते हैं तथा जयपुरवासियों को शुद्ध मसालों सहित अन्य गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध हो पाते हैं।

इस बार जवाहर कला केन्द्र के दक्षिण परिसर में 17 से 26 अप्रेल तक राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले का आयोजन किया गया। दस दिन के इस आयोजन में जयपुरवासियों का जबर्दस्त उत्साह देखने को मिला तथा उन्होंने जमकर मसालों और अन्य उत्पादों की खरीददारी की।

उपलब्धियों के नये आयाम- सहकारिता मंत्री श्री गौतम कुमार दक के मार्गदर्शन एवं शासन सचिव, सहकारिता डॉ. समित शर्मा के निर्देशन में दस दिवसीय इस आयोजन ने न केवल जयपुरवासियों को देशभर के उत्कृष्ट मसालों और पारंपरिक उत्पादों से रूबरू कराया बल्कि सहकारिता आधारित विपणन की सफलता का प्रभावशाली उदाहरण भी प्रस्तुत किया। मेले में इस बार लगभग 5.50 करोड़ रुपये के मसालों और अन्य उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब सवा करोड़ रुपये अधिक रही। यह उपलब्धि अब तक की सर्वाधिक बिक्री के रूप में दर्ज हुई, जिसने मेले की लोकप्रियता और विश्वास को और सुदृढ़ किया। मेले में पहली बार लगभग 160 स्टॉल्स पर उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शनी की व्यवस्था की गई, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 40 अधिक है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पहली बार ट्रॉली सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिससे खरीदारी का अनुभव और सहज बना। जन-जागरूकता के उद्देश्य से पहली बार जेनेरिक मेडिसिन जागरूकता स्टॉल लगाई गई। वहीं, आर्गेनिक उत्पाद, श्री अन्न उत्पाद, एक जिला एक उत्पाद तथा जीआई टैग उत्पादों को एक ही मंच पर उपलब्ध कराकर मेले को विशिष्ट पहचान दी गई। ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं कृषक उत्पादक संगठनों की प्रभावी भागीदारी ने मेले को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सहकारिता सशक्तीकरण से भी जोड़ा।

देशभर के उत्पादों ने बिखेरा स्वाद और विविधता का रंग- मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए मसाले और पारंपरिक उत्पाद उपभोक्ताओं के आकर्षण का केंद्र बने। केरल की काली मिर्च और लौंग, इरोड की हल्दी और दालचीनी, कश्मीर की केसर और ड्राई फ्रूट्स, पंजाब के चावल, मध्यप्रदेश का सिहोरी गेहूं, मथानिया की लाल मिर्च, नागौर का जीरा, रामगंजमंडी का धनिया, प्रतापगढ़ की हींग, जालोर की ईसबगोल, पुष्कर का गुलकंद, नाथद्वारा की ठण्डाई, बीकानेर के पापड़ सहित अनेक उत्पादों ने लोगों को खूब आकर्षित किया।

सहकारी संस्थाओं और स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार श्री अन्न आधारित उत्पादों को भी उपभोक्ताओं ने विशेष पसंद किया। वहीं मोबाइल चक्की के माध्यम से निशुल्क हाथों-हाथ मसाले पिसवाने की सुविधा ने मेले को और अधिक उपयोगी व आकर्षक बनाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन, लक्की विनर्स को मिले पुरस्कार- मेले में प्रतिदिन अलग-अलग संभागों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। इन प्रस्तुतियों ने आगन्तुकों को भाव-विभोर किया और मेले की भव्यता में चार चांद लगाए। मेले में आगन्तुक ग्राहकों के लिए प्रतिदिन लक्की ड्रॉ एवं समापन पर मेगा बम्पर ड्रॉ की व्यवस्था भी की गई। प्रतिदिन तीन लक्की ड्रॉ निकाले गए, जिनमें प्रथम पुरस्कार में 5100 रुपये, द्वितीय पुरस्कार में 3100 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार में 2100 रुपये का श्रीअन्न-मसाला गिफ्ट हैम्पर दिया गया। इसी प्रकार, मेले के समापन में हुए मेगा बम्पर ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार में स्मार्ट टीवी, द्वितीय पुरस्कार में डबल डोर फ्रिज तथा तृतीय पुरस्कार में आटा मिलेट चक्की विजेताओं को दी गई।

सहकारिता की सफलता का सशक्त उदाहरण- राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं बल्कि सहकारिता, स्थानीय उत्पादों, किसानों और उपभोक्ताओं के बीच मजबूत सेतु के रूप में उभरा है। रिकॉर्ड बिक्री, नवाचार, व्यापक सहभागिता और जन-उत्साह के साथ इस वर्ष का मेला यह सिद्ध करता है कि सहकारिता के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान देने की दिशा में यह आयोजन एक प्रभावी मंच बन चुका है। यह मेला वास्तव में 'सहकार से समृद्धि' की भावना को साकार कर रहा है।

–दिनेश कुमार शर्मा,
एपीआरओ, सहकारिता विभाग

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 33 | संख्याः 176 | प्रभात | उदयपुर, गुरूवार 30 अप्रैल, 2026 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

मोदी-शाह जोड़ी ने अपनी पूरी पावर व प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी है बंगाल के चुनाव में

इससे यह छवि तो बखूबी बनी है कि भाजपा तो जीत ही रही है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के गर्म और कड़े मुकाबले वाले चुनावों के बाद, अब सबकी नज़र यह देखने पर हैं कि कौन जीत रहा है और कौन हार रहा है।

सबसे बड़ी दिलचस्पी पश्चिम बंगाल के चुनाव में है, जहाँ मोदी-शाह की जोड़ी ने अपनी पूरी ताकत, संसाधन और प्रभाव लगा दिया है, ताकि यह धारणा बनाई जा सके कि वे निश्चित रूप से जीतने वाले हैं।

एग्ज़िट पोल्स अलग-अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं। कई एग्जिट पोल यह दिखा रहे हैं कि तृणमूल कांग्रेस आगे है और सरकार बनाने के लिए तैयार है, जबकि कुछ में भाजपा को मामूली बढ़त दिखाई जा रही है। ऐसे चैनल जैसे रिपब्लिक, जिन्हें भाजपा के करीब और उसके मुखपत्र के रूप में देखा जाता है, इन पोल में शामिल हैं। इनकी अधिकांश फंडिंग भी भाजपा से आती है।

- **हालांकि, ''एग्ज़िट पोल्स'' एक विभाजित कुछ मिला-जुला सा निष्कर्ष पेश कर रहे हैं।**
- **कुछ तृणमूल कांग्रेस को आगे बता रहे हैं, और सरकार बनाने की तैयारी में जुटी है। कुछ अन्य चैनल, भाजपा को आगे दिखा रहे हैं और यह जता रहे हैं कि भाजपा जल्दी ही सरकार बनाने की तैयारी में है।**
- **इस चुनाव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भाजपा एक तरह से बहुत ''बैचेन'' है कि किसी भी तरह से बंगाल में चुनाव जीतना ही है।**

ममता बनर्जी ने ऐलान किया है कि भाजपा 50 सीटें पार नहीं करेगी।

असम में अधिकांश एग्ज़िट पोल भाजपा की बड़ी जीत दिखा रहे हैं, जबकि कांग्रेस काफी पीछे है। पिछले चुनाव में कांग्रेस को 29 सीटें मिली थीं और इस चुनाव में भी ऐसा ही लग रहा है कि कांग्रेस उसी के आस-पास रह सकती है।

केरल में अधिकांश एग्जिट पोल कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ की जीत दिखा रहे हैं, जबकि एलडीएफ पीछे है। भाजपा 1-2 सीटें जीतने के आस-पास ही बनी हुई है। केरल में लेफ्ट पार्टी दो बार जीत चुकी है और तीसरी बार जीत की संभावना बहुत कम है, इसलिए कांग्रेस के सत्ता में लौटने की संभावना अधिक है।

तमिलनाडु में अधिकांश एग्जिट पोल डीएमके-कांग्रेस गठबंधन की जीत और सरकार बनाने का अनुमान दिखा रहे हैं, जबकि एक पोल टीवीके के बड़े लाभ की संभावना दिखा रहा है और एक-दो पोल अन्नाद्रमुक पर दांव लगा रहे हैं। तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा की संभावना नहीं दिख रही है।

तृणमूल कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, इस चुनाव का पूरा ध्यान भाजपा की बहुत ही स्पष्ट बेचैनी पर रहा है, जो किसी भी कीमत पर पश्चिम बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि बात यह है कि भाजपा ने दिखा दिया है कि वह सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है, चाहे वह वोट चोरी हो, एजेंसियों का दुरुपयोग, डिलीट किए गए बाइनरी वोटर या कोई भी तरीका हो।

तृणमूल नेताओं ने कहा, लेकिन और भी बुरी बात यह है कि शिक्षित वर्ग भी इस प्रयास में भाजपा का समर्थन कर रहा है और संदेश भेज रहा है कि भाजपा को जीतने के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए, जिसमें असंवैधानिक और अवैध तरीके भी शामिल हैं।

कोटा में मगरमच्छ के हमले से चरवाहे की मौत

कोटा, 29 अप्रैल (निसं)। खातौली थाना इलाके के घटोद गांव में मगरमच्छ के हमले में एक चरवाहे की मौत का मामला सामने आया है। यह हादसा रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के चंबल नदी के तट पर हुआ है। पता चला है कि चरवाहा नदी किनारे पहुंचा, तभी अचानक मगरमच्छ उसे पकड़कर नदी में खींच ले गया। मौके पर मौजूद उसके दो बेटों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। मगरमच्छ के इस हमले में एक बेटा घायल हो गया।

खातौली थाना अधिकारी देशराज गुर्जर ने बताया कि बागली पंचायत के

- **चरवाहा नदी के नज़दीक पानी पीने पहुँची बकरियों को हटा रहा था कि एक बड़ा मगरमच्छ चंद सैंकड में ही उसे नदी में खींच कर ले गया।**

घटोद गांव निवासी 45 वर्षीय मुरली अपने दो बेटों चंद्रप्रकाश और गोलू के साथ बकरियां चराने गया था। वह नदी के नज़दीक पानी पीने के लिए पहुंचे बकरियों के झुंड को हटाने का प्रयास कर रहा था, तभी एक बड़े मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया और चंद सेकंड में ही मगरमच्छ मुरली को नदी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

द्वितीय चरण का मतदान पूर्ण होने पर बंगाल ने चैन की सांस ली

यह प्रजातंत्र की जीत मानी जा सकती है कि बिना चुनावी हिंसा, हत्याओं की पुनरावृत्ति के बिना पचास साल बाद जनता आगे बढ़कर बिना भय के वोट देने आईं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। पश्चिम बंगाल ने पूरे राज्य में केन्द्रीय बलों की बेहद कड़ी निगरानी में हुए कठिन चुनाव के बाद राहत की सांस ली। यह एक ऐसा मतदान साबित हुआ, जिसमें राजनीतिक हिंसा से कोई हत्या या मृत्यु नहीं हुई।

मतदान के दूसरे चरण में कोई बड़ी घटनाएँ नहीं हुईं। इस प्रकार यह चुनाव एक मील का पत्थर बन गया और 1977 में लेफ्ट फ्रंट की सत्ता में आने के बाद शुरू हुई हिंसक चुनाव प्रक्रियाओं में स्पष्ट विराम दर्शाता है।

सत्तारूढ़ दल के बाहुबली नेताओं की कोई बड़ी धमकी न होने के कारण, जैसी कि पिछले पांच दशकों में सामान्य तस्वीर थी, लोग बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने निकले। शाम छह बजे के बाद भी मतदान केन्द्रों के बाहर लंबी कतारें लगी हुई थीं, जहाँ लोग धैर्यपूर्वक वोट डालने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

- **बंगाल के चुनाव की ''थीम'' व नारा था, ''परिवर्तन'' और भाजपा ने इस नारे को बड़ी होशियारी से पूरे चुनाव में उपयोग किया।**
- **हालांकि, ''एग्ज़िट पोल'' भाजपा की जीत की संभावना जता रहे हैं, पर, सही बात तो यह है, वोटिंग एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें कई ''फैक्टर'' सक्रिय होते हैं और कौन सा ''फैक्टर'' प्रभावी हो जाए यह अंदाज़ लगाना बहुत कठिन है।**
- **पर, एक ''फैक्टर'' पुरजोर ढंग से उभरकर आता है, भारी संख्या में जनता ने जमकर वोट दिया है और ''वोटिंग परसन्टेज'' पुराने मतदान के वोटिंग प्रतिशत से कहीं ज्यादा है और संभवतया इस बार फ़र्ज़ी वोटिंग भी नहीं कर पाए बाहुबली।**

इस अभूतपूर्व उत्साह को देखते हुए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने आदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प.बंगाल में मामूली बढ़त के साथ जीत सकती है भाजपा'

प.बंगाल चुनाव पर प्रसारित एग्ज़िट पोल्स में से कुछ एग्ज़िट पोल्स ने यह निष्कर्ष निकाला है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। अब तक जारी एग्ज़िट पोल के अनुसार, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे मिश्रित दिख रहे हैं। तीन पोलस्टर्स में से दो भाजपा को मामूली जीत दिखा रहे हैं, जबकि एक पार्टी सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्ण जीत की भविष्यवाणी कर रही है।

पीपुल्स पल्स, मैट्रिज़ तथा पी-मार्क ने अब तक अपने आंकड़े जारी किए हैं।

पहले एग्ज़िट पोल के अनुसार, मैट्रिज़ ने भाजपा को बंगाल में मामूली बढ़त दी है। मैट्रिज़ ने भाजपा को 146-161 सीटें दी हैं और तृणमूल कांग्रेस को 120-140 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रखा है।

लेकिन पीपुल्स पल्स ने तृणमूल कांग्रेस की जीत का अनुमान लगाया है।

- **मैट्रिज़ और पी मार्क के अनुसार, प.बंगाल में मामूली ही सही पर भाजपा को बढ़त मिल रही है, वहीं तीसरे एग्ज़िट पोल पीपुल्स पल्स ने तृणमूल को स्पष्ट बहुमत मिलने का निष्कर्ष निकाला है।**
- **एक अन्य एग्ज़िट पोल चाणक्य स्ट्रेटजीस ने भी प.बंगाल में भाजपा की जीत का दावा किया।**
- **वही अन्य राज्यों में असम में भाजपा, केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाला मोर्चा यूडीएफ तथा पुडुचेरि व तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन को आगे बताया जा रहा है।**

इस पोल के अनुसार, टीएमसी को 177-187 सीटें मिल सकती हैं और भाजपा को 95-110 सीटें मिलने की संभावना है।

बंगाल विधानसभा में कुल 294 सदस्य हैं और बहुमत के लिए 148 सीटें चाहिए।

बंगाल के दूसरे और अंतिम चरण में 142 सीटों पर मतदान समाप्त हो गया है। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर हुआ था। इस तरह वर्तमान चुनाव चक्र समाप्त हो गया है।

पश्चिम बंगाल के अलावा, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत 25 मई तक बढ़ाई

जयपुर, 29 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम को मिली अंतरिम जमानत की अवधि को 25 मई तक बढ़ा दिया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की

- **आसाराम के अधिवक्ता ने अपील की थी कि वे अंतरिम जमानत पर इलाज करा रह है। स्वास्थ्य की स्थिति देखते हुए अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाई गई।**

खंडपीठ ने यह आदेश आसाराम की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता यशपाल राजपुरोहित ने अदालत को निचली अदालत की ओर से दिए आदेश के खिलाफ पेश अपील पर हाईकोर्ट अपना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में कुछ बूथों पर मतदान रोका चुनाव आयोग ने

चुनाव आयोग ने यह आदेश भाजपा की शिकायत पर दिए, भाजपा ने डायमंड हार्बर के कुछ बूथों में तृणमूल द्वारा ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर में फाल्टा के कुछ बूथों पर मतदान रोक दिया गया है, क्योंकि भाजपा ने आरोप लगाया है कि दूसरे चरण के चुनावों में तृणमूल ने ईवीएम में छेड़छाड़ (टैम्परिंग) की है। साउथ 24 परगना जिले का डायमंड हार्बर लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी का गढ़ माना जाता है, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि साउथ 24 परगना के डायमंड हार्बर क्षेत्र के फाल्टा में कई मतदान बूथों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उसका बटन टेप से ढका गया है।

इस आरोप को नकारते हुए, तृणमूल ने कहा कि भाजपा बंगाल में हार रही है, इसलिए यह झूठी अफवाह फैला रही है। पार्टी ने चुनाव आयोग और पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा (आईपीएस अधिकारी जिन्हें ''सिंघम'' कहा जाता है) पर भी निशाना साधा, जिन पर पहले उनके उम्मीदवार जहाँगीर खान को धमकी देने का आरोप लगाया गया था।

- **भाजपा ने आरोप लगाया था कि डायमंड हार्बर सीट के फाल्टा क्षेत्र में कूछ बूथों पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप लगाई गई थी। भाजपा का आरोप था कि यह सब तृणमूल कांग्रेस ने करवाया है।**
- **भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर ऐसा एक वीडियो जारी किया, जिसमें एक पोलिंग बूथ में ईवीएम के तीसरे बटन पर टेप लगा हुआ था। उन्होंने इन क्षेत्रों में दोबारा मतदान कराने की मांग की है।**

चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा था कि यदि ऐसी रिपोर्टें आती हैं, तो उनकी जांच की जाएगी और यदि सही पाई गईं, तो उन बूथों पर पुनः मतदान कराया जाएगा।

भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने फाल्टा के उन सभी प्रभावित बूथों में पुनः मतदान की मांग की है, जहाँ उन्होंने इस तरह की चुनावी अनियमितताएँ होने का आरोप लगाया है।

उन्होंने एक पोस्ट में कहा, ''कई मतदान बूथों में भाजपा के लिए मतदान करने का विकल्प टेप से ब्लॉक कर दिया गया है, जिससे मतदाता अपने मताधिकार प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। यही है तथाकथित ''डायमंड हार्बर मॉडल'', वही तरीका, जिससे ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को उनकी लोकसभा सीट मिली।''

अमित मालवीय ने फाल्टा के हरिदंगा हाई स्कूल के एक बूथ का वीडियो भी साझा किया, जिसमें ईवीएम के तीसरे बटन (भाजपा के कमल चिन्ह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 91.41 प्रतिशत रहा

कोलकाता, 29 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण में भी छिटपुट हिंसा के बीच बंपर मतदान हुआ। राजधानी कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सात जिलों की 142 सीटों के लिए 91.41 प्रतिशत मतदान हुआ। मतगणना चार

- **राजधानी कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सात जिलों में छिटपुट हिंसा के बीच भारी मतदान हुआ।**

मई को होगी और नतीजे भी दोपहर 12 बजे तक स्पष्ट हो जाएंगे कि राज्य में किसकी सरकार बनेगी।

दूसरे और आखिरी चरण में कुल 1,448 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में कैद हो गया। इस चरण में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जवाई ''लैपर्ड लैंडस्कैप'' में कोई नया निर्माण और माइनिंग नहीं होगी'

राजस्थान हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि इस क्षेत्र में किसी नए होटल-रिसोर्ट का लाइसेंस जारी नहीं करें

-कार्यालय संवाददाता-

जोधपुर, 29 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने पाली जिले के जवाई लैपर्ड सफारी क्षेत्र में नए निर्माण पर पाबंदी, खनन सहित होटल-रिसोर्ट के नए लाइसेंस जारी करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी और जस्टिस संदीप शाह की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए। अब इस प्रकरण की सुनवाई 6 सप्ताह बाद पुनः होगी।

हाईकोर्ट ने जवाई लैपर्ड कंजर्वेशन रिजर्व और तेंदुओं की आवाजाही वाले पूरे लैंडस्केप में (गांवों की आबादी में वैध अनुमति वाले निर्माण को छोड़कर) किसी भी नए व्यावसायिक निर्माण और खनन गतिविधियों पर रोक लगाई है। कोर्ट ने लैपर्ड (तेंदुए) के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित करने के मामले में सुनवाई के बाद यह रिपोर्टेबल फैसला सुनाया है। फिलहाल नाइट सफारी यहां पूरी तरह बंद रहेगी। कोर्ट ने वन विभाग की ओर से तैयार किए गए ड्राफ्ट स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, कोर्ट ने राज्य सरकार और वन्यजीव बोर्ड को इस क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने पर विचार करने को कहा। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जवाई लैपर्ड सफारी क्षेत्र के कोर एरिया में लैंड यूज़ चैंज करने (भू-उपयोग परिवर्तन) की अनुमति नहीं होगी। साथ ही अन्य आसपास के क्षेत्र में भी अगर भूमि उपयोग की अनुमति दी जाए तो उससे पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि इससे तेदुंओं की प्राकृतिक आवाजाही में कोई बाधा उत्पन्न नहीं हो। जवाई क्षेत्र को न तो छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा जाएगा

- **राज्य सरकार को इस क्षेत्र को अभयारण्य बनाने पर विचार करने की सलाह दी, फिलहाल यहां नाइट सफारी बंद रहेगी।**
- **उच्च न्यायालय ने वन विभाग की ओर से तैयार किए गए ड्राफ्ट स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर को तुरंत प्रभाव से लागू करने के आदेश दिए हैं।**

और न ही किसी तरह की तारबंदी की जाएगी। कोर्ट ने कहा है कि जवाई क्षेत्र में जो भूमि बांध और भराव क्षेत्र के लिए चिन्हित की गई है, वहां पर गाड़ियों की आवाजाही नहीं होगी, क्योंकि इससे पर्यावरण को और साथ ही पक्षियों की कुछ प्रजाति, जो जमीन पर अंडे देती हैं, उन्हें भी खतरा होता है।

याचिकाकर्ता अपूर्वा अग्रावत की ओर से दायर जनहित याचिका में जवाई क्षेत्र की विशिष्ट ग्रेनाइट पहाड़ियों और गुफाओं को लैपड्र्स के लिए अनूठा आवास बताया गया। इसमें याचिकाकर्ता ने बताया कि जवाई क्षेत्र में लेपड्र्स की संख्या 50 से 70 के बीच है, जो इसे देश के सबसे घने लैपर्ड आवासों में से एक बनाती है। हालांकि अनियंत्रित ईको-टूरिज्म, अवैध खनन और लगातार हो रहे निर्माण से यह संतुलन बिगड़ रहा है। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से वकीलों ने बताया कि जवाई में लैपड्र्स आवास अधिकतर वन क्षेत्र से बाहर राजस्व और निजी भूमि पर हैं। इससे उनकी निगरानी में जटिलता आती है। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि जब विलुप्त चीतों को बसाने के लिए बड़े प्रयास हो सकते हैं तो लैपर्ड जवाई जैसे दुर्लभ प्राकृतिक आवास की रक्षा भी दृढ़ता से होनी चाहिए।

हाईकोर्ट ने वन विभाग के अधिकारियों (डीसीएफ कस्तूरी प्रशांत सुले, एसीएफ साहिल पोसवाल, मुख्य वन संरक्षक अनूप के.आर तथा प्रद्युम्न) द्वारा तैयार की गई ड्राफ्ट एसओपी को तुरंत लागू किया है। इसमें जिप्सियों का रजिस्ट्रेशन, जीपीएस मॉनिटरिंग, रूट और सूर्योदय से सूर्यास्त तक सफारी जैसे नियम शामिल हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए कि वे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 8 और 18 के तहत इस क्षेत्र को अभयारण्य घोषित करने की संभावना पर गंभीरता से विचार करें। जवाई बांध के मुख्य क्षेत्र और ओवरफ्लो ज़ोन में वन्यजीवों व पक्षियों की सुरक्षा के लिए वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। नाइट सफारी पहले की तरह पूरी तरह बंद रहेगी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि इस एसओपी में समय के साथ और बिंदु भी जोड़े जा सकते हैं, इसके बाद इसे लागू करने के लिए कोर्ट में पुनः प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इस मामले में याचिकाकर्ता अपूर्वा अग्रावत की ओर से अधिवक्ता करण सिंह शेखावत और महेन्द्र कुमार गुर्जर ने पैरवी की। वहीं, प्रतिवादी पक्ष (राज्य सरकार व अन्य) की ओर से अतिरिक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने कालीघाट मंदिर में पूजा की

कोलकाता, 29 अप्रैल । भवानीपुर विधानसभा सीट की उम्मीदवार एवं तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी बुधवार शाम भवानीपुर के मित्रा इंस्टीट्यूशन में मतदान करने के बाद, बूथ से निकलकर सीधे कालीघाट मंदिर पहुंची।

जानकारी के अनुसार, वहां उन्होंने देवी काली के दर्शन किए और राज्य के लोगों की शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। हर बार वोटिंग वाले दिन वे मित्रा इंस्टीट्यूशन में वोटिंग के बाद कालीघाट मंदिर जाने की परंपरा निभाती हैं। आज भी उन्होंने उस नियम का पालन किया। मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए वे वहां मौजूद आम लोगों और भक्तों से बात भी करती दिखीं। मंदिर परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पूजा-अर्चना के बाद वे अपने घर के लिए निकल गईं।

- **वे हर चुनाव में मतदान के बाद इस मंदिर में पूजा करती हैं।**

कोटा के सिटी मॉल में भीषण आग लगी, पास के कोचिंग संस्थान को खाली करवाया

सिटी मॉल में आग लगने से करोड़ों रुपए के नुकसान होना बताया जा रहा है

कोटा, (निसं)। झालावाड़ रोड स्थित कोटा के सिटी मॉल में बुधवार को आग लग गई। अचानक लगी इस आग से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सिटी मॉल कोचिंग एरिया के बीच में ही स्थित है, ऐसे में सिटी मॉल के ठीक लगती वाली बिल्डिंग कोचिंग संस्थान की है। आनन-फानन में पूरे कोचिंग संस्थान को खाली करवाया गया है। बच्चों को बाहर निकाला गया। आग पर काबू पाने के लिए 15 दमकलों का इस्तेमाल किया गया। करीब दो घंटे के बाद आग पर काबू पाया गया।

घटना के बाद जिला कलैक्टर सहित प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। जिला कलैक्टर पीयूष समारिया कहना है कि उन्होंने मौके का निरीक्षण कर लिया है। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। यह आग मिस्टर डीआईवाय शोरूम से शुरू हुई थी। इस शोरूम में घरेलू सामान, बच्चों के टॉयज और क्रोकरी मिलती हैं। यह पूरी तरफ से जलकर खाक हो गया है। आसपास के शोरूम तक भी आग पहुंची है। अधिकारियों ने प्रारंभिक तौर पर आग के कारण के संबंध में स्पष्ट कुछ नहीं बताया है, लेकिन एयर कंडीशन की लाइन से शॉर्ट सर्किट होने की बात सामने आई है। अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पूरे मामले की इंक्वारी करने के निर्देश दे दिए गए हैं। मॉल को फिलहाल आम लोगों के लिए बंद कर दिया है। जब तक पूरी तरह से क्लियर नहीं हो जाता है। सेफ्टी ड्रिल इसमें की जाएगी, उसके बाद ही खोला जाएगा।

कोटा के सिटी मॉल में भीषण आग लगने के बाद दूर तक धुआं नजर आया।

- घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, घरेलू सामान, बच्चों के टॉयज और क्रोकरी जले
- एयर कंडीशन की लाइन से शॉर्ट सर्किट होने की बात सामने आई, पुष्टि नहीं हुई
- 15 दमकलों की मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया
- जिला कलैक्टर पीयूष समारिया ने मामले की इंक्वारी करने के निर्देश दिए

अग्निशमन अधिकारी अमजद खान का कहना है कि आग किस कारण से लगी है, यह अभी सामने नहीं आ पाया है, लेकिन आठ दमकलों ने आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। उनका कहना है कि आग कंट्रोल में है। सिटी मॉल में जिस समय घटना हुई अधिकांश शोरूम और दुकान खुलने की तैयारी कर रही थी। लोगों की संख्या भी वहां पर कम थी, इसीलिए लोगों को बाहर निकलने में ज्यादा समय भी मॉल प्रबंधन को नहीं लगा। आग भी एक हिस्से में ही लगी, लेकिन आग की लपटें काफी दूर से देखी जा रही थी।

नगर निगम कमिश्नर ओमप्रकाश मेहरा का कहना है कि आग के संबंध में 10.30 बजे सूचना मिली थी। तत्काल दमकलें मौके पर पहुंच गई थी। इसके बाद आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया और इसमें 15 दमकल थी। आग ऊंचाई पर होने से हाइड्रोलिक लैडर का भी उपयोग किया गया। इसके अलावा मौके पर एडीएम सिटी अनिल कुमार सिंघल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी, नगर निगम के फायर ऑफिसर अमजद खान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसपी तेजस्विनी गौतम का कहना है कि कोई जनहानि नहीं हुई है। पुलिस ने आसपास के पूरे रास्तों को बंद कर दिया था ताकि लोग मॉल तक नहीं पहुंचें। लोगों की एंट्री के लिए अभी माल सेफ नहीं है, इसीलिए लोगों का मॉल में प्रवेश भी फिलहाल पूरी तरह से बंद है। प्रशासन के निर्देश के बाद ही इसे खोला जाएगा।

मॉल के मालिक वीरेंद्र पंड्या का कहना है कि उनका फॉयर फाइटिंग सिस्टम चालू था, उसने आग बुझाने का प्रयास भी किया है। केवल एक शोरूम के अंदर ही आग लगी थी। उसी से आसपास पहुंची है।

शोरूम मालिक को कितना नुकसान हुआ है हम भी आकलन कर रहे हैं। आग नीचे स्थित एक फूड कोर्ट तक पहुंच गई थी। इसके साथ ही जिस शोरूम में आग लगी थी, उसके ऊपर भी फुटपाथ था। वहां भी नुकसान पहुंच गया है। सिटी मॉल में आग लगने के मामले में करोड़ों रुपए के नुकसान का आंकलन सामने आ रहा है। इस दुकान के पास में ही नामी मोबाईल कंपनी का भी आउटलेट था उसे भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। दूसरे माले पर स्थित मिस्टर डीआईवाय के शोरूम में ही एक करोड़ से ज्यादा रुपए का सामान जलकर खाक हो गया है। दूसरी तरफ मॉल की बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा है। कुछ कपड़े के शोरूम में हीट, धुआं और पानी पहुंचने से ज्यादा नुकसान हुआ है। फिलहाल किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। सिटी मॉल के पास स्थित कोचिंग संस्थान के सेंटर को दोबारा चालू कर दिया गया है। माल के नजदीक में कुछ दुकानें भी बनी हुई हैं जिसे भी लोगों को बाहर निकाला था, वापस उन्हें प्रवेश दे दिया गया है।

जमीन विवाद में ससुर ने बहू पर कुल्हाड़ी से हमला किया

- हमले में महिला के सिर पर चोट आई, पड़ौसी के घर भाग कर जान बचाई

बूंदी, (निसं)। बूंदी जिले के तालेड़ा थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। छपावदा गांव में ससुर ने अपनी बहू पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में महिला के सिर पर चोट आई। जान बचाने के लिए घायल बहू पड़ोसी के घर में घुस गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पूरा घटनाक्रम कैद हुआ है।

पीड़िता के पति सत्यनारायण ने बताया कि परिवार की जमीन पहले ही अलग-अलग बंट चुकी है। पशु बांधने के लिए बने बाड़े का भी दोनों पक्षों में आधा-आधा हिस्सा तय है। मंगलवार को उनकी पत्नी अनोखबाई बाड़े (45) में सफाई कर रही थी। इसी दौरान ससुर वहां पहुंचा और विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते गुस्से में आकर उसने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे महिला के सिर में गंभीर चोट आई। परिजनों का आरोप है कि जमीन को लेकर लंबे समय से परिवार में विवाद चल रहा है। कई बार समझाइश के प्रयास भी किए गए, लेकिन मामला शांत नहीं हुआ। मंगलवार को यही विवाद हिंसा में बदल गया। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला बाड़े में बैठी है और एक बुजुर्ग व्यक्ति उससे बात कर रहा है। कुछ देर बाद दोनों के बीच कहासुनी बढ़ जाती है। इसके बाद बुजुर्ग कुल्हाड़ी उठाकर महिला के सिर पर वार कर देता है। मौके पर मौजूद एक महिला वीडियो बनाती रहती है और घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो जाती है। डीएसपी राजेश टेलर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद सामने आया है।

राशन की दुकान से गेहूं चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार

- थांवला पुलिस की कार्रवाई, 27 कट्टे गेहूं व बोलेरो वाहन बरामद किया

थांवला/नागौर, (निसं)। पुलिस थाना थांवला ने राशन की दुकान से गेहूं चोरी के मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया गेहूं तथा वारदात में प्रयुक्त बोलेरो वाहन भी बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि प्रकरण के अनुसार 11 अप्रैल की रात गुढ़ा जगमालोटा गांव स्थित एक राशन की दुकान के ताले तोड़कर अज्ञात चोर अंदर घुसे और दुकान में रखे गेहूं के कट्टे चोरी कर फरार हो गए। इस संबंध में प्रार्थी राजश्री पत्नी मूलचंद तिवाड़ी द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नागौर के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी के सुपरविजन में थानाधिकारी थांवला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों व मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने चोरी के आरोप में रफीक मोहम्मद पुत्र अकबर अली, निवासी गुढ़ा जगमालोटा, अरबाज मोहम्मद पुत्र इस्माइल मोहम्मद, निवासी थांवला क्षेत्र, मुकेश मेघवाल पुत्र भंवरलाल, निवासी रेखड़ा और अर्जुन राम पुत्र सोलाराम, निवासी रेखड़ा को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

रावतसर में 13 ऊंटों से भरा ट्रक पकड़ा, तीन गिरफ्तार

- ऊंटों को अवैध रूप से हरियाणा और उत्तर प्रदेश ले जाने का आरोप है

हनुमानगढ़, (निसं) जिले के रावतसर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 13 ऊंट बरामद किए हैं। इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन ऊंटों को अवैध रूप से हरियाणा और उत्तर प्रदेश ले जाने का आरोप है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान नूंह, हरियाणा निवासी अमजद और अरमान तथा भोंडसी, हरियाणा निवासी शकील के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रव्रजन या निर्यात का विनियमन) अधिनियम, 2015 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि एक ट्रक में ऊंटों को भरकर ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम नोहर तिराहे पर पहुंची। वहां लोगों ने पहले ही ट्रक को रोक रखा था और मौके पर भारी भीड़ जमा थी। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 13 ऊंट ठूंस-ठूंस कर भरे हुए मिले। ऊंटों के पैर रस्सियों से बांधे गए थे, जिससे उन्हें हिलने-डुलने की भी जगह नहीं मिल रही थी। कई ऊंटों के शरीर पर चोट के निशान थे और वे दर्द से कराह रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपियों के पास ऊंटों के परिवहन संबंधी कोई वैध अनुमति या लाइसेंस नहीं था। पुलिस ने मौके से ट्रक और सभी ऊंटों को कब्जे में लेकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बरामद ऊंटों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच की जा रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

मालगाड़ी की चपेट से युवक की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। पीलोदा रेलवे स्टेशन के पास एक युवक की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर गंगापुर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को राजकीय जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पहचान पट्टी वजीरपुर निवासी कैलाश शर्मा (45) पुत्र बाबूलाल शर्मा के रूप में हुई है। वह रेलवे लाइन पार कर रहा था, तभी सामने से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को गंगापुर सिटी अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया। जीआरपी थाना के एएसआई घनश्याम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक रेलवे लाइन पार करते समय हादसे का शिकार हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलवर के खैरथल में मेहंदी-हल्दी की रस्मों के दौरान दुल्हन की मौत

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता लगेगा

- अचानक दूल्हन लक्ष्मी को उल्टी हुई और तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन अस्पताल ले गये, वहां मृत घोषित कर दिया

अलवर, (निसं)। अलवर में एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जिस घर में कल बारात आने की तैयारी थी, आज वहां मातम पसरा हुआ है। खैरथल कस्बे की 23 वर्षीय लक्ष्मी की शादी से महज एक रात पहले अचानक मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम घर में हल्दी और मेहंदी की रस्में जोरों पर थीं। लक्ष्मी भी बाकी लड़कियों के साथ नाच-गाने में पूरे उत्साह से हिस्सा ले रही थी। किसी को भी यह अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर में यह खुशी का माहौल पल भर में पलट जाएगा। अचानक लक्ष्मी को उल्टी हुई और तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने पहले उसे घर पर ही पंखे के नीचे बैठाकर राहत देने की कोशिश की, लेकिन हालत बिगड़ती गई और वह बेहोश हो गई। घबराए परिवार ने तत्काल उसे खैरथल के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वहां के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर अवस्था में अलवर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अलवर पहुंचते-पहुंचते लक्ष्मी की सांसें थम चुकी थी, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार को मुंडावर के पास भानौत गांव से बारात आनी थी। जो सेहरा सजने वाला था, वह कभी बंधा नहीं। लक्ष्मी अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी और ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रही थी। एक छोटा भाई भी है। बेटी को खोने का यह गम परिवार के लिए असहनीय है, घर में रो-रोकर सभी का बुरा हाल है।

पुलिस ने शव को अलवर जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया था। बुधवार को पोस्टमॉर्टम किया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असल वजह सामने आ सकेगी। फिलहाल, मौत का कारण अज्ञात है।

आईपीएल मैच पर सट्टा पकड़ा, एक गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। पुलिस व जिला स्पेशल टीम ने निर्वाण नगर विस्तार निवाई में आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते लाखों रुपये का क्रिकेट सट्टा लगाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने मौके से 6 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 9 हजार की नकद राशि व लाखों रूपयों के हिसाब की डायरियां जब्त की है।

डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि गठित टीम ने गंगा-जमुना गार्डन के पीछे स्थित निर्वाण नगर में एक मकान पर छापामार कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के गंगा-जमुना गार्डन के पीछे स्थित एक मकान में राजस्थान बनाम पंजाब आईपीएल मैच पर बडे स्तर पर सट्टा लगाया जा रहा है। पुलिस ने मौके से निर्वाण नगर निवासी नितिन जैन पुत्र पदमचंद जैन को रंगे हाथों सट्टा लगाते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल, नकद राशि व डायरियां बरामद की है।

बीकानेर में स्कूटी से 70 करोड़ की हेरोइन मिलने का मामला

पुलिस ने जयपुर से केटरिंग का काम करने वाले दो युवकों को हिरासत में लिया

- राजस्थान से लेकर पंजाब की जेल तक अंतरराष्ट्रीय हेरोइन तस्करी नेटवर्क का कनेक्शन सामने आया
- पाली का रहने वाला मुख्य आरोपी राकेश प्रजापत अभी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है
- मुख्य आरोपी राकेश प्रजापत की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है

बीकानेर, (निसं)। हेरोइन मिलने के मामले में स्कूटी सवार घायल खेताराम अभी हॉस्पिटल में भर्ती है। हादसे के बाद स्कूटी से 70 करोड़ रुपए की हेरोइन मिली थी। राजस्थान से लेकर पंजाब की जेल तक अंतरराष्ट्रीय हेरोइन तस्करी नेटवर्क का कनेक्शन सामने आया है। हाई प्रोफाइल मामले में पुलिस ने जयपुर से केटरिंग करने वाले दो युवकों को हिरासत में लिया है। पाली का रहने वाला मुख्य आरोपी राकेश प्रजापत अभी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। जांच में सामने आया है कि सरगना राकेश पंजाब जेल में रह चुका है, जहां उसकी पहचान पाकिस्तान से जुड़े तस्करी नेटवर्क के लोगों से हुई थी।

जानकारी के अनुसार बीकानेर के पूगल और खाजूवाला बॉर्डर से जुड़े इस नेटवर्क में 22 अप्रैल को बड़ा खुलासा हुआ था। पूगल रोड पर स्कूटी सवार खेताराम मेघवाल नीलगाय से टकराकर घायल हो गया था। हादसे के बाद उसकी स्कूटी से 14 किलो हेरोइन बरामद हुई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 70 करोड़ रुपए आंकी गई है। खेताराम फिलहाल पीबीएम अस्पताल में भर्ती है और उसे पूरी तरह होश नहीं आने के कारण बयान दर्ज नहीं हो सके हैं।

जांच में सामने आया है कि जयपुर में कैटरिंग का काम करने वाले राहुल रावत और प्रशांत कयाल इस तस्करी नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। पुलिस को संदेह है कि दोनों मुख्य आरोपी राकेश प्रजापत के लिए 'डिलीवरी मैन' के रूप में काम कर रहे थे। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि वे पहले भी पाकिस्तानी ड्रोन से गिराई गई हेरोइन की खेप आगे पहुंचा चुके हैं। तस्करी के लिए बीकानेर के एक स्थानीय व्यक्ति की स्कूटी का इस्तेमाल किया गया, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस अब उन स्थानीय लोगों की पहचान कर रही है जिन्होंने तस्करों को लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, राकेश प्रजापत ने इन लोगों को खाजूवाला बॉर्डर से हेरोइन की खेप उठाकर पंजाब पहुंचाने की जिम्मेदारी दी थी। जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी राकेश प्रजापत पहले पंजाब की जेल में रह चुका है, जहां उसकी पहचान पाकिस्तान से जुड़े तस्करी नेटवर्क के लोगों से हुई थी। जेल से बाहर आने के बाद वह इस अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का सक्रिय सदस्य बन गया। राकेश के खिलाफ पाली में सात और पंजाब में एक डकैती का मामला दर्ज है। पुलिस को उसके नेटवर्क के तार दिल्ली और बेंगलुरु तक जुड़े होने की आशंका है, जिसकी जांच जारी है।

बीकानेर एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 70 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामदगी मामले में जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। अस्पताल में भर्ती खेताराम से अभी पूछताछ नहीं हो सकी है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

भीलवाड़ा में 4747 गैंग का सरगना पूरण गुर्जर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा जिले में अवैध हथियारों की धरपकड़ और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 4747 गैंग के सरगना और 10 हजार रुपये के इनामी हार्डकोर अपराधी पूरण गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, एक अन्य कार्रवाई में एक युवक को अवैध पिस्टल के साथ दबोचा गया है।

पुलिस के अनुसार यह मामला 22 मार्च 2026 को शुरू हुआ था जब डीएसटी के कांस्टेबल राकेश भंडारी की सूचना पर पुलिस ने रूपाहेली निवासी कैलाश चंद्र जाट को अल्टो कार में दो पिस्टल और चार जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले भैरू लाल उर्फ भैरू झोंपड़ा को पकड़ा। भैरू से पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य सप्लायर पूरण गुर्जर है। पूरण गुर्जर करेड़ा थाने का हार्डकोर अपराधी है और उस पर हत्या के प्रयास व लूट जैसे 23 संगीन मामले दर्ज हैं। फरारी के चलते एसपी ने उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुर थानाधिकारी कन्हैया लाल के नेतृत्व वाली टीम ने तकनीकी विश्लेषण और सूचना तंत्र की मदद से उसे धर दबोचा।

इसी तरह दूसरी कार्रवाई में पुर थाना पुलिस ने एक और प्रभावी कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना मिली थी कि बोरडा गांव की तरफ जाने वाले रास्ते पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में हथियार लेकर बैठा है। सूचना पर शिवराज सिंह सउनि मय जाब्ता ने मौके पर दबिश दी और शाहिद खान पठान उर्फ चिन्टु (19) को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध पिस्टल सहित युवक गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली एवं जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध देशी पिस्टल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार अवैध हथियारों के विरुद्ध जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस के अनुसार 28 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि चौबारी मंडी कस्बा क्षेत्र में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना पर कोतवाली पुलिस एवं डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए संदिग्ध युवक को पकड़कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद असलम पुत्र मोहम्मद हासन, निवासी मोडा पहाड़ रोड वार्ड नंबर 55, थाना कोतवाली झुंझुनूं को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की उम्र करीब 30 वर्ष बताई गई है।

नापासर में बीती रात आये तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त

- तूफान व बरसात से पेड़ गिरे, बिजली के तार-पोल टूटने से विद्युत सप्लाई ठप

नापासर, (निसं)। नापासर में बीती देर रात को तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया। रात 11 बजकर 16 मिनट पर शुरू हुए तूफान ने महज 11 मिनट में पूरे कस्बे में असर डाला। करीब 11 बजकर 37 मिनट तक चले इस तूफानी दौर के बाद लगभग 22 मिनट तक लगातार बारिश हुई, जिससे सड़कें और गलियां कीचड़ से भर गईं और आवाजाही बाधित हुई।

तूफान की गति इतनी तेज थी कि कई स्थानों पर बिजली के पोल, तार और नीम सहित अन्य पेड़ धराशायी हो गए। स्टेशन रोड पर चुंगी चौकी के पास एक विशाल नीम का पेड़ बिजली के तारों पर गिर गया। इससे बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गए और तार टूटकर सड़क पर बिखर गए। इस घटना के कारण क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे पूरी रात अंधेरा छाया रहा।

आंधी का असर शादी समारोहों पर भी पड़ा, जहां टेंट, लाइटिंग और सजावट को भारी नुकसान हुआ। राजीव गांधी स्टेडियम में चल रहे मेगा ट्रेड फेयर में भी तेज हवाओं ने अव्यवस्था फैलाई। कई टेंट और स्टॉल प्रभावित हुए, जिससे व्यापारियों और आयोजकों को नुकसान झेलना पड़ा।

बिजली विभाग के एक्सईएन कपिल गुप्ता ने बताया कि बीती रात आए तूफान से विभाग को कई स्थानों पर नुकसान हुआ है। नापासर में बिजली व्यवस्था बहाल करने के लिए टीमें तैनात कर दी गई है और कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि अन्य क्षेत्रों से भी बिजली के पोल, डीपी और तार टूटने की सूचनाएं मिल रही हैं, जिनके सर्वेक्षण के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। गुप्ता ने कहा कि विभाग का प्रयास है कि जल्द से जल्द खंभे और तार बदलकर बिजली आपूर्ति सुचारू की जाए। इस तेज तूफान ने आमजन के जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द राहत कार्य तेज करने और नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

अजमेर के जेएलएन की ओपीडी में संदिग्ध युवक को पकड़ा

- ओपीडी में युवक द्वारा चोरी की वारदात करने का मामला सामने आया

अजमेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में इन दिनों चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बुधवार को भी अस्पताल की ओपीडी में भारी भीड़ का फायदा उठाकर एक संदिग्ध युवक द्वारा चोरी की वारदात को अंजाम देने का मामला सामने आया। हालांकि सतर्कता के चलते मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपित को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल के निजी सुरक्षा गार्ड और स्टाफ मौके पर पहुंच गए। बाद में आरोपित युवक को पकड़कर अस्पताल स्थित पुलिस चैकी के हवाले कर दिया गया। इसके बाद कोतवाली थाना पुलिस ने उसे अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खानपुरा निवासी अब्दुल ने बताया कि वह अपने दोहिते का इलाज कराने के लिए जेएलएन अस्पताल की ओपीडी में पहुंचे थे। इसी दौरान जांच करवाते समय एक संदिग्ध युवक ने उनकी जेब से पैसे निकाल लिए। पैसे निकालते वक्त कुछ राशि नीचे गिर गई, जिसे पास खड़े अन्य मरीजों के परिजनों ने देख लिया। उन्होंने तुरंत आरोपित को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से भाग निकला। अब्दुल ने बताया कि थोड़ी देर बाद एक अन्य संदिग्ध युवक फिर से ओपीडी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियां करते हुए नजर आया। इस बार मौजूद लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। इसके बाद आरोपित को अस्पताल गार्ड और स्टाफ के हवाले कर दिया गया।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि बढ़ती भीड़ के कारण इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया जा रहा है। वहीं, कोतवाली थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल रायपुर, जिला-ब्यावर(राज)

क्रमांक/न.पा.रा./विकास/2025-26/08 दिनांक 20.04.2026

-: ई-निविदा सूचना 09/2025-26 :-

नगरपालिका द्वारा पालिका क्षैत्र मे निम्नांकित विकास कार्य को करवाये जाने हेतु राजस्थान के विभिन्न विभागो/निगमो/स्वायत्तशासी संस्थान/बोर्डो/राजकीय उपकमो में पंजीकृत तथा स्वायत शासन राजस्थान के अधिन विभागो/संस्थानो नगर पालिका/नगर परिषद/नगर निगम, व बोर्डो में निर्धारित श्रेणी में निविदा जारी होने की दिनांक को पंजीकृत एवं मान्यता प्राप्त संवेदको से निर्धारित शर्तो के अनुसार मुहरबंद निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओ के सबंधित विवरण विभागीय वेब साईट www.sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते है।

यू.बी.एन. कोड	DLB2627WSOB02070 DLB2627WSOB02071 DLB2627WSOB02072 DLB2627WSRC02073

राज.संवाद/सी/26/1753 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रायपुर

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न.07464-294024, ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com, website - WWW.npkarauli.in

क्रमांक : 705 दिनांक : 27.04.2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद क्षेत्र में रोशनी व्यवस्था का कार्य कराना चाहती है। जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	नगरपरिषद क्षेत्र में रोशनी व्यवस्था का कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	13.77 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	28.04.2026 समय 2:00 पीएम से 07.05.2026 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	07.05.2026 समय 6:00 पीएम तक
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त तकनीकी बिड की खोलने की तिथि	08.05.2026 समय 4:00 पीएम
निविदा शुल्क	1000/- रूपयें
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	01 माह
UBN.-	DLB2627SLOB02683

राज.संवाद/सी/26/1718 आयुक्त, नगरपरिषद, करौली

दुकानदार पर लाठी-डंडों से हमला

जयपुर। राजधानी के जयसिंहपुरा खोर क्षेत्र में उधार सब्जी देने से मना करना एक फल-सब्जी विक्रेता को भारी पड़ गया। करीब आधा दर्जन युवकों ने दुकान में घुसकर दुकानदार पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले दुकान के अंदर मारपीट की, फिर उसे घसीटकर सड़क पर लाकर बेरहमी से पीटा। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी कई बार उधार सब्जी लेकर गया था और पैसे नहीं लौटाए। इस बार उधार देने से मना करने पर विवाद हुआ और मारपीट की घटना हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है। थानाधिकारी मुकेश कुमार मीणा ने बताया कि पीड़ित पप्पू लाल सैनी ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 2 नंबर बस स्टैंड के पास फल-सब्जी की दुकान है। 27 अप्रैल की रात कुंडा रोड निवासी मोहित शर्मा नींबू खरीदने आया था। नींबू लेने के बाद जब पैसे मांगे गए तो उसने भुगतान से इनकार कर दिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसने अपने साथियों को बुला लिया। जिन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जहां आरोपियों ने पहले दुकान के अंदर मारपीट की और सीसीटीवी का पता चलने पर उसे बाहर सड़क पर ले जाकर फिर से पीटा। हमले में उसके हाथों और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद दुकानदारों और राहगीरों ने बीच-बचाव कर उसे छुड़वाया।

जयपुर मेट्रो फेज-2 के लिए 13037 करोड़ रु. की केन्द्रीय मंजूरी मिली

केन्द्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी के 20 दिन बाद ही जारी हुआ स्वीकृति आदेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) ने जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना के लिए 13037.66 करोड़ रुपये की औपचारिक स्वीकृति जारी कर दी है।

- **फेज-2 में 41 किलोमीटर के कॉरिडोर पर 36 स्टेशन बनाए जाएंगे**
- **परियोजना में केंद्र व राज्य सरकार की 50-50 प्रतिशत भागीदारी रहेगी**

मंजूरी के करीब 20 दिन बाद जारी इस आदेश से शहरवासियों को बड़ी सौगात मिली है।

परियोजना के तहत 41 किलोमीटर लंबे उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक कुल 36 स्टेशन विकसित किए जाएंगे। जयपुर में सार्वजनिक परिवहन की महत्वपूर्ण कड़ी मानी जा रही यह परियोजना शहर की यातायात व्यवस्था को नया आयाम देगी।

उल्लेखनीय है कि इस परियोजना को 8 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई थी। मंजूरी के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उच्च स्तरीय बैठक में परियोजना के त्वरित क्रियान्वयन के निर्देश दिए थे। इसके तहत प्रथम चरण में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक 12 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए शीघ्र कार्यादेश जारी करने की तैयारी की जा रही है। शेष पैकेज के लिए निविदा प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी।

परियोजना का क्रियान्वयन राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की 50-50 प्रतिशत भागीदारी है।

मेट्रो रेल नीति 2017 के अनुसार केंद्र सरकार से 50 प्रतिशत इक्विटी मिलने से राज्य पर वित्तीय भार कम होगा। परियोजना को वर्ष 2031 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके पूर्ण होने पर जयपुर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अधिक सुदृढ़ और सुगम होने की उम्मीद है।

रीको औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा और सुविधाओं को मिलेगा नया आयाम

वर्ष 2026-27 में करीब 1500 करोड़ रु. खर्च करने का लक्ष्य तय

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों का विकास समग्र रूप से किया जा रहा है, जिसमें विद्युत की निर्बाध उपलब्धता, सड़कों के निर्माण एवं सुधार, अग्निशमन एवं अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का आधुनिक एवं सुदृढ़ विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान रीको प्रशासन औद्योगिक क्षेत्रों के विकास, उन्नयन एवं रखरखाव पर लगभग 1500 करोड़ रुपये से अधिक व्यय करने का लक्ष्य रखा है, जिससे औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को और मजबूत बनाया जा सके।

औद्योगिक इकाइयों को आगजनी जैसी आपदाओं से सुरक्षित रखने एवं बेहतर सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से रीको द्वारा 12 नए अग्निशमन केंद्रों की स्थापना तथा 37 अग्निशमन वाहनों की उपलब्धता के लिए लगभग 25 करोड़ रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। प्रस्तावित अग्निशमन केंद्र भिवाड़ी (चौपानकी, खुशखेड़ा), बीकानेर (करणी औद्योगिक क्षेत्र चरण प्रथम एवं द्वितीय), बोरानाडा, चुरू, जयपुर (जैतपुरा), जोधपुर (बासनी), नागौर (आईआईडी सेंटर एवं एसजीसी परबतसर), सवाई माधोपुर (खेरदा, टोंक, हिंडौन सिटी) तथा श्रीगंगानगर में औद्योगिक क्षेत्र हनुमानगढ़ (चरण द्वितीय) सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त आबूरोड, अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, भिवाड़ी, बीकानेर, बोरानाडा, चुरू, जयपुर, जोधपुर, किशनगढ़, नागौर, नीमराना, पाली, सवाई माधोपुर, सीकर, श्रीगंगानगर एवं उदयपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में 37 अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था की जाएगी। रीको द्वारा विद्युत आपूर्ति को निर्बाध एवं सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यकतानुसार विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में अंडरग्राउंड केबलिंग के कार्य भी करवाये जायेंगे।

रीको के इन प्रयासों से राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों में आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण का निर्माण होगा, जिससे उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा प्रदेश के आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

भीषण गर्मी और हीटवेव से आमजन रहें सुरक्षित : मुख्यमंत्री

बच्चे, वृद्धजन, गर्भवती महिला एवं बीमार व्यक्ति बरतें विशेष सावधानियां

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जारी भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) के दौर के मद्देनजर आमजन से एहतियात बरतने की अपील करते हुए राज्य सरकार की एडवाइजरी की पालना करने की सलाह दी है।

- **संवेदनशीलता के साथ पशु-पक्षियों की करें देखभाल : भजनलाल शर्मा**

मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिक लू के दुष्प्रभावों से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां सुनिश्चित करें। विशेष रूप से बच्चे, वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं एवं बीमार व्यक्ति अतिरिक्त ध्यान रखें। दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप में बाहर अनावश्यक निकलने से बचें।

उन्होंने कहा कि हीट स्ट्रोक के गंभीर लक्षण जैसे बेहोशी, तेज बुखार की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं अथवा टोल-फ्री नंबर 108 अथवा 112 पर संपर्क करें ताकि समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने विभिन्न कार्यस्थलों पर नियोजित श्रमिकों, किसानों एवं पशुपालकों से लू एवं हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। साथ ही, उन्होंने आमजन से संवेदनशीलता के साथ पशु और पक्षियों के खाने और पानी की व्यवस्था में सहयोग करने की अपील भी की है।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण जयपुर समेत 7 शहरों में अंधड़ और बारिश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से मौसम में बदलाव देखने को मिला है। जयपुर सहित करीब सात शहरों में बारिश हुई, जबकि कोटा, अलवर और दौसा में ओलावृष्टि दर्ज की गई। अंधड़ के दौरान चूरू जिले के बीदासर में बिजली का तार टूटकर एक मकान की छत पर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत हो गई।

बारिश और ओलावृष्टि के कारण प्रदेश के अधिकांश शहरों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कमी आई, हालांकि एक दर्जन से अधिक शहरों में पारा अभी भी 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है।

इसी बीच धौलपुर में गर्मी के चलते एक ट्रेन के कोच के निचले हिस्से में आग लगने की घटना सामने आई। आग ब्रेक पैडल के पास लगी थी, जिसे समय रहते बुझा लिया गया। प्रारंभिक रूप से आग का कारण अत्यधिक गर्मी माना जा रहा है।

सार-समाचार

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह से मिले प्रतिनिधि

जयपुर (कासं)। सुरेंद्र सिंह शाहपुरा के नेतृत्व में, गजराज सिंह; महेंद्र सिंह; राजेंद्र सिंह जोधा; तथा तरुण कुमार बंसल, अध्यक्ष एचआरएआर एवं सचिव एफएचटीआर सहित फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने, जोधपुर-मारवाड़ क्षेत्र की प्रमुख ट्रैवल एवं होटल एसोसिएशनों झारा और ताज के सदस्यों के साथ, बुधवार को कर्तव्य भवन में केंद्रीय पर्यटन-संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत तथा पर्यटन सचिव भुवनेश कुमार से मुलाकात की। बैठक में पर्यटन क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिनमें होटल वर्गीकरण मानदंड, व्यवसाय करने में सुगमता, विदेशी पर्यटकों के लिए वैट रिफंड व्यवस्था, वीज़ा नियम, भूमि रूपांतरण से संबंधित चुनौतियां तथा उद्योग को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दे शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने केन्द्रीय मंत्री को आगामी राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट जयपुर एवं मारवाड़ ट्रैवल मार्ट, जोधपुर, जो सितंबर 2026 में आयोजित होने वाले हैं, के लिए औपचारिक आमंत्रण भी दिया। इन आयोजनों का उद्देश्य राजस्थान के पर्यटन को नई दिशा देना है, विशेष रूप से अनुभवात्मक पर्यटन, एडवेंचर पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत तथा हस्तशिल्प आधारित पर्यटन की अपार संभावनाओं को प्रोत्साहित करना, खासकर थार मरुस्थल क्षेत्र में।

मुहाना मंडी में पेयजल व्यवस्था की मांग

जयपुर (कासं)। जयपुर फल व सब्जी थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर ने महात्मा ज्योतिबा फुले टर्मिनल मार्केट मुहाना मंडी की पेयजल समस्या को लेकर भाजपा के प्रदेश महामंत्री भूपेन्द्र सैनी को ज्ञापन सौंपा। योगेश तंवर ने सैनी से आग्रह किया कि मुहाना मंडी परिसर में नई 4 इंच की पेयजल वितरण लाइन डलवाने के कार्य में मदद करें। सैनी ने समस्या के समाधान के लिए तत्काल जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को शीघ्र समाधान करने के लिए दूरभाष से निर्देश दिए। तंवर ने बताया कि मुहाना मंडी में वर्ष 2008 से आज तक पेयजल वितरण व्यवस्था डगमगाई हुई है। कई व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आज भी पेयजल सप्लाई ना के बराबर है। व्यापारी अपने खर्चे पर टैंकरों से दुकानों में पानी डलवाते हैं, पीने के पानी के लिए अपनी अपनी दुकानों पर पानी के ठंडे कैंपर रखवाकर बरसों से काम चला रहे हैं। जबकि रोजाना मंडी परिसर में 10 से 15 हजार के व्यापारी, किसान, मजदूर, ग्राहक एवं वाहन चालक आते हैं। मंडी में विद्यमान पेयजल सप्लाई लाइन वर्ष 2018 में डाली गई थी, लेकिन वह भी जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। एशिया की सबसे बड़ी मंडी होने के बावजूद यहां लोगों को पेयजल के लिए भी तरसना पड़ रहा है। मंडी परिसर में पेयजल वितरण का एक भी स्थायी ढांचा भी नहीं है। पानी की एक टंकी बनाई हुई है, लेकिन उससे भी वितरण नहीं हो पाता है। तंवर ने बताया कि मुहाना मंडी परिसर में लगभग 1500 से अधिक व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं। लंबे समय से संगठन समय समय पर पेयजल समस्या को लेकर ज्ञापन देता आ रहा है, लेकिन अभी तक भी समाधान नहीं हो पाया है।

मेघा सोनी को मिला राष्ट्रीय रत्न सम्मान

जयपुर। पिंकसिटी की मेघा सोनी को देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया है। उन्हें उभरते लक्जरी सिल्वर ज्वेलरी ब्रांड श्रेणी में उत्कृष्ट योगदान के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान मेघा सोनी को उनके ब्रांड गजाह के लिए दिया गया, जिसने कम समय में सिल्वर ज्वैलरी क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। आधुनिक डिजाइनों, पारंपरिक कला और उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण ब्रांड को ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रियता मिली है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद एवं पद्मश्री सम्मानित कंगना रनौत ने मेघा सोनी को यह पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।

तीन अफसरों को मिली डीजीपी डिस्क

जयपुर। पुलिस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित रेंज समीक्षा बैठक के बीच एक विशेष सम्मान और विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में लंच के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान के लिए तीन पुलिस अधिकारियों को प्रतिष्ठित डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया और सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को विदाई दी गई। समारोह के मुख्य चरण में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने विभाग के तीन अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं और विशिष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित डीजीपी डिस्क प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले अधिकारियों में भरतपुर रेंज आईजी कैलाश विश्नोई, कोटा रेंज आईजी राजेन्द्र प्रसाद गोयल और भीलवाड़ा के दुर्गालाल ढोली शामिल रहे। इसी कड़ी में कोटा रेंज आईजी के पद से सेवानिवृत्त हो रहे राजेन्द्र प्रसाद गोयल का अभिनंदन किया गया। डीजीपी शर्मा, डीजी लॉ एंड ऑर्डर संजय अग्रवाल, डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल और डीजी स्पेशल ऑपरेशन्स आनंद श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके पुलिस विभाग में लंबे और गौरवशाली कार्यकाल की सराहना की। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके भविष्य के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह के दौरान पीएचक्यू के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी रेंज आईजी और जयपुर व जोधपुर के पुलिस आयुक्त उपस्थित रहे।

पंचायत-निकाय चुनाव की तिथि बढाने के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई 18 मई को

हाईकोर्ट पहले तारीख बढ़ाने पर सुनवाई करेगी, अवमानना याचिका बाद में तय होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव कराने की तिथि बढ़ाने के संबंध में दायर राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को पहले तय किया जाएगा और उसके बाद मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई की जाएगी। इसके साथ ही अदालत ने पूर्व विधायक संयम लोढा की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई 18 मई को रखी है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश दिए।अवमानना याचिका में कहा गया कि अदालत ने 15 अप्रैल तक पंचायत और निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन राज्य चुनाव आयोग ने 22 अप्रैल तक अंतिम मतदाता सूची जारी करना तय किया है। यह अदालती आदेश की सीधे तौर पर अवमानना है। वहीं पूर्व में राज्य सरकार की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर कहा था कि हाईकोर्ट ने गत 14 नवंबर को आदेश जारी कर पंचायतों और निकाय चुनाव 15 अप्रैल तक कराने के आदेश दिए थे। स्थानीय निकाय के लिए करीब 1.26 लाख और पंचायत चुनाव के लिए करीब 2.50 लाख मतदान कर्मचारियों की जरूरत होगी। इसमें से 70 फीसदी शिक्षाकर्मी रहेंगे। फिलहाल सत्र शुरू हो चुका है और मई-जून में भीषण गर्मी पडेगी। वहीं जुलाई से सितंबर तक मानसून व कृषि कार्य में आमजन व्यक्ति रहेगा। वहीं कई पंचायत समितियों और जिला परिषदों का कार्यकाल सितंबर से दिसंबर में पूरा होगा। वहीं राज्य चुनाव आयोग को अधिसूचना जारी करने और प्रक्रिया पूरी करने में कम से कम तीन माह का समय लगेगा और ओबीसी आयोग की रिपोर्ट भी तीस सितंबर तक आने की संभावना है। इसलिए चुनाव कराने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए।

राजस्थान में डेयरी क्षेत्र बना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र ग्रामीण विकास और किसानों की आर्थिक मजबूती का प्रमुख आधार बनकर उभरा है। राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अग्रिम अनुमानों के अनुसार राज्य में पशुधन क्षेत्र का सकल मूल्य वर्धन 2.17 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कुल योगदान का लगभग 49.35 प्रतिशत है। यह हिस्सा फसलों के योगदान (42.61 प्रतिशत) से भी अधिक है, जो दर्शाता है कि बदलते कृषि परिदृश्य में डेयरी क्षेत्र किसानों के लिए नियमित आय का मजबूत स्त्रोत बन चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में डेयरी विकास को नई गति मिली है। पिछले दो वर्षों में दुग्ध संकलन, प्रसंस्करण और विपणन में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिससे राजस्थान श्वेत क्रांति के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। राज्य में दुग्ध संकलन वर्ष 2025-26 में बढ़कर लगभग 45 लाख लीटर प्रतिदिन तक पहुंच गया है, जबकि दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता 51 लाख लीटर से बढ़कर 54 लाख लीटर प्रतिदिन हो गई है। आगामी दो वर्षों में इसे 74 लाख लीटर प्रतिदिन तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सरस डेयरी के मार्केटिंग नेटवर्क के विस्तार से दुग्ध उत्पादों के विपणन में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नए सरस बूथों की स्थापना के साथ राजस्थान से अन्य राज्यों में प्रतिदिन एक लाख लीटर से अधिक दूध की आपूर्ति की जा रही है। भारतीय सेना को भी सरस द्वारा प्रतिवर्ष 250 करोड़ रुपये से अधिक के दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं।दूध उत्पादकों को क्रय मूल्य वृद्धि के रूप में वर्ष 2025-26 में लगभग 700 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया गया, जिससे किसानों की आय में सीधा इजाफा हुआ है।

सरस स्वरोजगार योजना के तहत 2,000 नए बूथ स्थापित किए गए हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक विस्तार की दिशा में भी कार्य जारी है।

पिछले दो वर्षों में 3,525 नई डेयरी सहकारी समितियों का गठन किया गया है, जिससे सहकारी तंत्र को मजबूती मिली है। वर्ष 2025-26 में आरसीडीएफ एवं संबद्ध दुग्ध संघों का कुल टर्नओवर 10 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं ने दूध उत्पादकों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 1,386 करोड़ रुपये का अनुदान वितरित किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत दूध उत्पादकों को प्रति लीटर 5 रुपये अतिरिक्त सब्सिडी दी जा रही है।

अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग पर 35 सिलेंडर जब्त

जयपुर। राजधानी में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और रिफिलिंग पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। संयुक्त टीम ने सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 35 अवैध गैस सिलेंडर सहित अन्य उपकरण जब्त किए हैं। इस अभियान के तहत जिला कलेक्टर संदेश नायक के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी, जयपुर प्रथम द्वारा विशेष प्रवर्तन दल का गठन किया गया।

पुलिस थाना सांगानेर सदर से मिली सूचना के आधार पर प्रवर्तन दल ने गोविंदपुरा (बक्षावाला), शिकारपुरा रोड क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से 35 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर, एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा और एक इलेक्ट्रॉनिक मोटर जब्त की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यहां अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा था। जिला कलेक्टर संदेश नायक के अनुसार इस तरह के अवैध रिफिलिंग केंद्र शहर में होने वाली आगजनी और विस्फोट जैसी दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकते हैं।

सीपी जोशी पुन: बने संसद की याचिका समिति के सभापति

चित्तौडगढ़ (कासं)। चित्तौडगढ़ सांसद व भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी को संसद की लोकसभा में याचिका (पिटीशन) समिति का पुनः सभापति मनोनीत किया है।

सांसद जोशी को संसद की 15 सदस्यीय लोकसभा की याचिका समिति का सभापति व अन्य 14 सांसदों को सदस्य बनाया गया है। जिनमें सदस्य सांसद एंटो एंटनी, सुखदेव भगत, राजू बिष्टा, गुरमीत सिंह, बस्तीपति नागराजू, मीतेश पटेल बाकाभाई, डॉ. राजकुमार सांगवान, कमलजीत शेहरावत, देवेश शाक्य, मंजू शर्मा, विष्णु दत्त शर्मा, अभय कुमार सिन्हा व राजमोहन उन्निथन, मनोज तिवारी है। सांसद जोशी वर्तमान में संसद की याचिका समिति के सभापति के साथ साथ सार्वजनिक उपक्रम समिति व ऊर्जा समिति में सदस्य हैं। पूर्व में बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक, 2022 बिल की संयुक्त समिति के सभापति भी रह चुके हैं।सांसद जोशी ने याचिका समिति के पुनः सभापति मनोनीत किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र

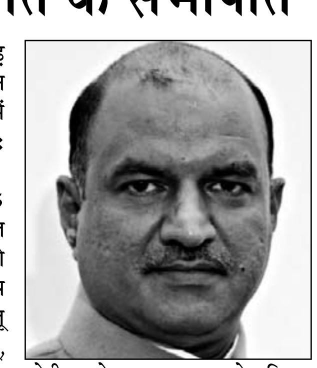

मोदी व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार जताया। गौरतलब हैं की लोकसभा की याचिका समिति एक महत्वपूर्ण समिति है। इसके कार्य आम जनता की ओर से संसद में उठाई गई याचिकाओं पर विचार करना, याचिकाओं पर सरकार से राय मांगना, याचिकाओं पर रिपोर्ट देना, याचिकाओं के निपटान के लिए निर्देश देना, याचिकाओं से जुडे मामलों में मंत्रालय के विचारों पर विचार करना, याचिकाओं के निपटान के लिए सभा में रिपोर्ट पेश करना, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना आदि है।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में वन्यजीव गणना की तैयारियां पूरी

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में आगामी वार्षिक वन्यजीव गणना को लेकर वन विभाग ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष की गणना कई मायनों में विशेष रहने वाली है, क्योंकि पहली बार महिला कार्मिकों के तीन दल इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालेंगे।इसके चलते बुधवार को सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़, रेंजर शुभम शर्मा और फॉरेस्टर राजाराम मीणा ने नाहरगढ़ रेंज का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने वन्यजीवों के लिए बनाए गए 10 नए वाटर पॉइंट्स और निगरानी के लिए तैयार किए गए मचानों का बारीकी से जायजा लिया। भीषण गर्मी को देखते हुए वन्यजीवों के लिए पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता बनी हुई है।

वन विभाग के अनुसार वन्यजीव गणना 1 मई 2026 को शाम 5 बजे से शुरू होकर 2 मई 2026 को शाम 5 बजे तक 24 घंटे के 'वाटर होल सर्वे' के रूप में संचालित की जाएगी।

ईंट-भट्टों से 150 दिनों तक रॉयल्टी वसूली को हाईकोर्ट में चुनौती

ईएनटी भट्टा संघ भरतपुर का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक 122 दिन ही प्रदेश में ईंट-भट्टे कार्यरत रहते हैं, तो फिर ज्यादा दिनों का टैक्स क्यों वसूला जा रहा है?

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में ईएनटी भट्टा संघ भरतपुर ने 150 दिनों तक वसूली जाने वाली रॉयल्टी टैक्स को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक ईंट-भट्टे 1 मार्च से 30 जून तक ही प्रतिवर्ष (122 दिन) ही कार्य कर सकते हैं। परंतु राज्य सरकार द्वारा जिस फार्मूले से रॉयल्टी टैक्स की गणना की जा रही है, उसमें 150 अंक को आधार बनाया हुआ है।

- **याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रियांशा गुप्ता ने अदालत में सी.ए.जी. की 2 रिपोर्ट्स पेश की हैं, जिसमें रॉयल्टी गणना के फॉर्मूले में 150 अंक को 150 दिन बताया गया है।**
- **पूरे प्रकरण को सुनने के बाद न्यायाधीश अनरूप सिंघी ने कहा कि, 14 जुलाई को अगली सुनवाई पर महाधिवक्ता, अदालत को यह फार्मूला समझने में मदद करे और स्पष्ट करें कि यह 150 अंक कहां से आए।**

इस मामले पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश अनरूप सिंघी की एकलपीठ ने कहा कि, एडिशनल गर्वमेंट काउंसिल द्वारा विभाग की ओर से दिए गए शपथ पत्रों में यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि, यह 150 का अंक क्या है? कहीं यह 150 अंक पुराने फार्मूले के हिसाब से 150 दिन तो नहीं है? अदालत ने 14 जुलाई को अगली तारीख देते हुए कहा कि इस मामले में महाधिवक्ता, अदालत को यह फार्मूला समझने में मदद करे और स्पष्ट करें कि यह 150 अंक कहां से आए। इस मामले के तथ्यों के अनुसार 19 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया था कि, प्रदेश में केवल 122 दिन ही ईंट-भट्टों का संचालन हो सकेगा। अदालत ने यह आदेश इसलिए दिए थे, क्योंकि दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण होता है, इसमें ईंट भट्टों के संचालन को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए अदालत ने गर्मियों के मौसम में ही ईंट-भट्टों के संचालन के आदेश दिए थे।याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रियांशा गुप्ता ने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद पुराने "राजस्थान माइनर मिनरल कंसेशन रूल्स-2017" के मुताबिक 150 दिनों का फॉर्मूला लगाकर रॉयल्टी वसूली जा रही है, जो कि खुली मनमानी है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में सी.ए.जी. की 2 रिपोर्ट्स पेश की हैं, जिसमें रॉयल्टी गणना के फॉर्मूले में 150 अंक को 150 दिन बताया गया है। याचिकाकर्ता ने अदालत को यह स्पष्ट करने की कोशिश की, ईंट भट्टा निर्माताओं द्वारा कितनी टन ईंटे बनाई जाती है, उसकी रॉयल्टी आंकने में यह 150 का अंक इसलिए जोड़ा जोता था, क्योंकि पूर्व में इतने ही दिन (9 माह) ईंट-भट्टे कार्यरत रहते थे। दूसरी ओर खनन विभाग की ओर से कई बार शपथ पत्र पेश किए गए, जिनमें 150 अंक को अलग-अलग नामों और तर्कों से व्याख्या करने की कोशिश की गई, परंतु अदालत को संतुष्ट नहीं कर पाए।

आयुष्मान आईपीडी टावर को लेकर तेज़ हुई तैयारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने आयुष्मान आईपीडी टावर के निर्माण और संचालन को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन और जेडीए अधिकारियों के बीच लगातार मैराथन बैठकों का दौर जारी है। जिससे दोनों एजेंसियों के बीच समन्वय भी मजबूत हुआ है।

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए स्पष्ट डेडलाइन तय की गई है। योजना के अनुसार दिसंबर-जनवरी में कुछ विभागों को शुरू किया जाएगा। शुरुआती चरण में टावर की 3 से 4 मंजिलों को चालू करने की तैयारी है, जिससे मरीजों को जल्द राहत मिल सके। करीब 1200 बेड क्षमता वाले इस आईपीडी टावर में पहले चरण में लगभग 200 बेड तैयार किए जाएंगे। साथ ही ओपीडी सेवाएं और आवश्यक जांच केंद्र शुरू करने की भी योजना है। टावर का इंटीरियर कार्य अंतिम चरण में है और इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन का मानना है कि टावर शुरू होने से अस्पताल में मरीजों का दबाव कम होगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। इधर सवाई मानसिंह अस्पताल में तैयार हो चुका अत्याधुनिक कार्डियक सेंटर अभी भी उद्घाटन का इंतजार कर रहा है। जनवरी के अंतिम सप्ताह तक इसे शुरू करने की योजना थी, लेकिन अब तक संचालन शुरू नहीं हो पाया है। प्रिंसिपल डॉ. माहेश्वरी ने बताया कि यह सेंटर लगभग तैयार है और जल्द आवश्यक मशीनों की इंस्टॉलेशन पूरी कर इसे चालू किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि सरकारी क्षेत्र में इस स्तर का हाईटेक कार्डियक सेंटर देश में पहला होगा। इस सेंटर में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी समेत हृदय रोगों की सभी जांच और इलाज की सुविधा एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी। साथ ही 2डी ईको, टीएमटी, होल्टर, आइसोटोप लैब, आधुनिक आईसीयू और इमरजेंसी सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

राजस्थान विद्यापीठ में रिसर्च बोर्ड एकेडमिक काउंसिल की बैठक सम्पन्न

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय ज्ञान परम्परा और शोध आधारित नए पाठ्यक्रमों को मिली स्वीकृति
- विद्यापीठ ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो की ओर अग्रसर

उदयपुर में राजस्थान विद्यापीठ में रिसर्च बोर्ड, एकेडमिक काउंसिल की बैठक बुधवार को सम्पन्न हुई।

उदयपुर,(निसं)। राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय सभागार में रिसर्च बोर्ड, एकेडमिक काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास, शोध उन्नयन, भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित अध्ययन, नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। इस दौरान अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर उन्हें सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। बॉम बैठक में कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, प्रो. प्रतापसिंह चौहान, प्रो. योगानंद शास्त्री ने ऑन शिरकत की।

कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि नई शिक्षा नीति केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा, नवाचार, अनुसंधान, कौशल और आत्मनिर्भरता पर आधारित शिक्षा का समग्र दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, लोकज्ञान, सामाजिक उत्तरदायित्व और वैश्विक दृष्टि से समृद्ध बनाना भी है। इसी उद्देश्य से विद्यापीठ में भारतीय ज्ञान परम्परा को पाठ्यक्रमों, शोध एवं अकादमिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। बैठक के प्रारम्भ में पूर्व आयोजित बैठकों के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई तथा विभिन्न संकायों से प्राप्त शैक्षणिक एवं शोध संबंधी प्रतिवेदनों पर विस्तार से चर्चा हुई। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों के पुनर्सरचना, बहुविषयक अध्ययन, कौशल आधारित शिक्षा, शोधोन्मुखी अध्ययन, भारतीय ज्ञान परम्परा एवं रोजगारपरक शिक्षण प्रणाली को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। प्रो. सारंगदेवोत ने सभी विभागाध्यक्षों से सत्रारम्भ में ही शैक्षणिक कैलेंडर तैयार करने का आ ान करते हुए कहा कि प्रत्येक संकाय शिक्षण, शोध, परीक्षा, प्रायोगिक कार्य एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को समयबद्ध रूप से संचालित करे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (ग्रॉस एनरोलमेंट रेश्यिो) को वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है ।जिसके तहत विद्यापीठ इस ओर अग्रसर है, 2012 में संस्थान में 2200 विद्यार्थी नियमित अध्ययनरत थे, जिसकी वर्तमान में संख्यॉ 11 हजार है और 2035 तक 25 हजार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसका जिम्मा अकादमिक कार्यकर्ताओं पर है इसके साथ ही बहु-विषयक शिक्षा, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, मल्टीपल एंट्री एवं एग्जिट, डिजिटल लर्निंग, अनुसंधान एवं नवाचार तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा के केंद्र में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा केवल प्राचीन ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आयुर्वेद, योग, दर्शन, पर्यावरण चेतना, ग्राम स्वावलंबन, लोक विज्ञान, भारतीय न्याय परम्परा, जीवन मूल्यों और प्रकृति आधारित ज्ञान का समृद्ध भंडार निहित है। विद्यापीठ इन आयामों को आधुनिक शिक्षा और शोध से जोड़ते हुए नई पीढ़ी को ज्ञान, संस्कार और कौशल का संतुलित आधार प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहा है। बैठक में विभिन्न संकायों में नए रोजगारपरक, कौशलोन्मुख एवं शोध आधारित पाठ्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही शोध गतिविधियों को सुदृढ़ करने, अंतर्विषयी अनुसंधान को बढ़ावा देने, शोध प्रकाशनों की गुणवत्ता सुधारने, पेटेंट, नवाचार एवं समाजोपयोगी शोध को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया।

संक्षिप्त

आधार मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक 1 मई को

बांसवाड़ा,(निसं)। जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक 1 मई को प्रात: 11 बजे जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला कलक्टर सभागार में होगी। बैठक में जिले में संचालित आधार केन्द्रों की समीक्षा रजिस्ट्रार वार, बाल आधार नामांकन को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा, अनिवार्य बायोमेट्रिक अद्यतन के लिए स्कूलों ने विशेष लैम्प के आयोजन पर चर्चा एवं समस्त रजिस्ट्रार द्वारा संचालित आधार केन्द्रों के नियमित प्रतिमाह निर्धारित 5 प्रतिशत आधार केन्द्रों के निरीक्षण, नई रेट लिस्ट चस्पा करने पर चर्चा की जाएगी। समस्त रजिस्ट्रार को वर्तमान में चल रहे अपने सभी आधार केन्द्रों की सूची मय ऑपरेटर लिस्ट लेकर बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

श्री कपिल केदारेश्वर मन्दिर में शिवपुराण आज

बांसवाड़ा (निसं)। सिंहवाव स्थित श्री कपिल केदारेश्वर मन्दिर में श्री शिव महापुराण का पारायण 30 अप्रैल से 6 मई तक प्रतिदिन सायं 7 से रात्रि 10 बजे तक प्रेमसागर महाराज के मुखारविंद से होगा। ट्रस्ट सचिव अनंत जोशी ने बताया कि श्री कपिल केदारेश्वर भक्त मंडल और महिला मंडल की ओर से होने वाली इस कथा में रतलाम के तेजु महाराज का सानिध्य भी प्राप्त होगा। इस सम्बंध में ट्रस्ट अध्यक्ष सुभाष त्रिवेदी की अध्यक्षता में बैठक में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में मनीष पाठक, दीपेश पण्ड्या, कोषाध्यक्ष अरविंद पाठक, रजत जोशी, शरद व्यास आदि ने विचार व्यक्त किए।

मंदिर का 11 पाटोत्सव धूमधाम से मनाया

बांसवाड़ा (निसं)। श्री चारणेश्वर महादेव मंदिर का 11 पाटोत्सव धूम धाम से मनाया गया। सुंदरकांड और श्री राधा सखी महिला मंडल के तत्वावधान में गाजे बाजे ढोल बाजे मजीरो के साथ पंच धाम हनुमान मंदिर परिसर खांदू कॉलोनी से सखियों ने कलश यात्रा निकाल श्री चारणेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। श्री राधा सखी महिला मंडल की सखियों ने भजन कीर्तन सत्संग किया। महादेव को भोग आरती उतारने के बाद महा प्रसादी हुई। प्रबंध समिति प्रवक्ता राजेश भावसार ने बताया कि कार्यक्रम में श्री राधा सखी महिला मंडल की अध्यक्षा साधना देवड़ा और सुंदर कांड मंडल के पंडीत रमेश भाई और उमेश भाई सेवक और समस्त सुंदर कांड मंडल के सदस्य, हरिओम पांचाल, मोतीलाल पवार, रमेश पंवार, कल्पेश सेवक, अंकुश सेवक, प्रकाश, सुरेश व्यास, बलवंत कलाल, पुरुराज सेवक सहित श्री राधा सखी महिला मंडल की जयश्री पंचाल, कैलाश पंचाल, गायत्री श्रीमाली, रेणूका श्रीमाली, नीता पंचाल, शर्मिष्ठा पटेल, आशा देवड़ा, सविता देवडा, लक्ष्मी देवड़ा कांता पावर, स्नेहलता सहित मातृशक्ति सम्मिलित रही।

3 मई को होगा नाटक 'माधव' का मंचन

उदयपुर, (निसं)। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर द्वारा आयोजित मासिक नाट्यय संध्या 'रंगशाला' के अंतर्गत रविवार 3 मई को 'माधव' नाटक का मंचन किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र सास्कृतिक केंद्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया की प्रति माह आयोजित होने वाली मासिक नाट्यय संध्या रंगशाला के अंतर्गत कारवां थिएटर ग्रुप मुंबई द्वारा माधव नाटक का मंचन रविवार 3 मई को सायं 7 बजे शिल्पग्राम उदयपुर स्थित दर्पण सभागार में किया जाएगा।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री आज उदयपुर में

उदयपुर,(निसं)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को उदयपुर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 11 बजे विशेष विमान से महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा नया चेण्डा रोहट पाली के लिए प्रस्थान करेंगे। नया चेण्डा में विविध कार्यक्रमों में भाग लेकर मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से दोपहर 1.55 बजे पुन: डबोक एयरपोर्ट आएंगे। यहां से सड़क मार्ग द्वारा डबोक पुलिस थाना के समीप स्थित वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी के निवास पर पहुंचेंगे। विधायक के पिता के निधन पर आयोजित शोक सभा में भाग लेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री दोपहर 2.25 बजे पुन: डबोक एयरपोर्ट आकर विशेष विमान से अहमदाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे।

भीषण गर्मी में स्कूल परिसर में लगाए परिंडे

उदयपुर, (निसं)। भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए राजस्थान समाज सेवा संस्थान उदयपुर के सहयोग से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जसवंतगढ़ में बुधवार को परिंडे लगाए गए। साथ ही आसपास के सरकारी स्कूलों में कुल 50 परिंडे वितरित किये गए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रेरणा नौशल्या के नेतृत्व में स्कूल परिसर में स्टाफ के साथ ही भारत स्काउट एंड गाइड की टीम और स्कूल के छात्र छात्राओं ने परिंडे लगाए। स्कूल लेक्चरर डॉ. संजू त्रिपाठी ने बताया कि स्कूली बच्चों ने पहल करते हुए परिंडों में नियमित पानी भरने की जिम्मेदारी भी ली। सीबीईओ ने राजस्थान समाज सेवा संस्थान के इस प्रयास की सराहना की। परिंडा अभियान के दौरान स्काउट एंड गाइड सीईओ सुनील कुमार सोनी, अभिलाषा मिश्रा, प्रधानाचार्य बिंदु धींग, अनिता शर्मा व कैलाश पालीवाल भी मौजूद रहे। संस्थान की तरफ से गोगुंदा ब्लॉक के जसवंतगढ़ के आसपास के सरकारी स्कूलों सहित परिंडे वितरित भी किए गए। संस्थान के संरक्षक दिनेश कोठारी ने बताया कि संस्थान की तरफ से स्कूलों, सार्वजनिक पार्क में परिंडे लगाने के साथ ही आमजन को नि:शुल्क परिंडे वितरित किए जा रहे है।

जिला कलेक्टर ने राजकीय विद्यालयों का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़, (निसं)। जिला कलेक्टर शुभम चौधरी बुधवार को अरनोद उपखंड के भ्रमण के दौरान मनोहरगढ़ एवं आमलीखेड़ा स्थित राजकीय विद्यालयों तथा अरनोद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) अचनेरा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने राजकीय विद्यालय मनोहरगढ़ एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय आमलीखेड़ा में कक्षाओं का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षिणक प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालयों में नामांकन, उपस्थिति, मिड-डे मील व्यवस्था, साफ-सफाई एवं आधारभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान डीईओ माध्यमिक के के तेतरवाल उपस्थित रहे। इसके पश्चात जिला कलेक्टर ने अरनोद स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) अचनेरा का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, दवा वितरण, प्रसूति सेवाओं, साफ-सफाई एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों एवं कार्मिकों को मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने तथा अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्त योजनाओं की जानकारी आमजन को दी जाए एवं गर्मी के मद्देनजर पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। आमजन को कोई परेशानी न हो।

जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर प्राथमिकता से कार्य करें। तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

नगर की जनता व व्यापारियों से स्वच्छता सर्वेक्षण में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

- स्वच्छता सर्वेक्षण में डूंगरपुर नगर को एक बार फिर से नंबर 1 स्थान हासिल होगा : के के गुप्ता

डूंगरपुर(निसं)। स्वच्छ भारत मिशन के प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर और परिषद के पूर्व सभापति के के गुप्ता ने डूंगरपुर नगर की जनता से आ ान किया है कि स्वच्छता सुपर लीग राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2026 में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेते हुए अपना फीडबैक अवश्य दें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही शहर को स्वच्छता की नई पहचान दिलाई जा सकती है। इसमें आमजन द्वारा दिया गया सकारात्मक और रचनात्मक फीडबैक शहर की रैंकिंग को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर नगर की जनता हमेशा जागरूक रही है और इस बार भी शहर को उत्कृष्ट स्थान दिलाने में अपना योगदान देगी।

उन्होंने नगर के व्यापारियों से भी अपील की है कि अपनी दुकान का कचरा बाहर खुले में नहीं फेंके, दुकान के अंदर एक कचरा पात्र रखें और ग्राहक को भी बाहर सड़क पर कचरा नहीं करने दे, शाम के समय व्यापारिक क्षेत्र में आने वाले कचरा संग्रहण वाहन में ही कचरा डालें।

उन्होंने विश्वास जताया कि डूंगरपुर नगरवासी और सभी व्यापारी एकजुट होकर स्वच्छता सुपर लीग राष्ट्रीय सर्वेक्षण में शानदार भागीदारी निभाएंगे और शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का एक फीडबैक डूंगरपुर के उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय कर सकता है।

नगर की जनता के स्वास्थ्य की होगी देखभाल: गुप्ता ने कहा कि स्वच्छ शहर स्वस्थ जीवन का आधार है। स्वच्छता से बीमारियों पर नियंत्रण होता है, पर्यावरण सुरक्षित रहता है तथा आने वाली पीढ्यों को बेहतर वातावरण मिलता है।

उन्होंने बताया कि शहर में स्वच्छथा को लेकर मेडिकल टीम द्वारा शहर में कैंप लगाए जाएंगे जिसका नेतृत्व राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाखा डूंगरपुर द्वारा शीघ्र ही नगर में एक जांच शिविर का आयोजित किया जाएगा जिसमें रक्त, ब्लड प्रेशर इत्यादि जांच निशुल्क की जायेगी। इसके साथ ही बीमारियों के उपचार हेतु दवाइयां की व्यवस्था भी सरकारी स्तर पर कराई जाएगी। यह संदेश स्वच्छता के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी जाएगा।

निम्बाहेड़ा में 'एचपीवी टीकाकरण' अभियान को मिली रफ्तार

- बालिकाओं को नि:शुल्क टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है

निम्बाहेड़ा(निसं)। सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर एवं जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए चलाए जा रहे एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान को निम्बाहेड़ा में नई गति मिल रही है। जिला चिकित्सालय निम्बाहेड़ा के कक्ष संख्या 8 में यह अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है, जहां 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को नि:शुल्क टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है जिला चिकित्सालय के पीएमओ डॉ. राघव सिंह एवं बीसीएमओ अनुराधा मैडम ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि एचपीवी वायरस महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है, और समय रहते लगाया गया यह टीका इस घातक बीमारी से काफी हद तक सुरक्षा प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन सामान्यत: निजी चिकित्सा संस्थानों में 4 से 6 हजार रुपये तक की लागत में उपलब्ध होती है, जिससे कई परिवार इसे लगवाने में हिचकिचाते हैं। लेकिन सरकार द्वारा आमजन के हित में इसे निम्बाहेड़ा जिला चिकित्सालय में उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा बालिकाओं तक पहुंच बनाकर उन्हें भविष्य में होने वाली गंभीर बीमारियों से सुरक्षित करना है। इसके लिए अस्पताल स्तर पर ही नहीं, बल्कि स्कूलों और समुदाय में भी जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं, ताकि अभिभावक इस टीके के महत्व को समझें और अपनी बेटियों को समय पर टीकाकरण के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने यह भी अपील की कि अभिभावक सरकारी अस्पताल में उपलब्ध इस सुरक्षित व प्रभावी टीके का लाभ उठाएं। समय पर लगाया गया एचपीवी टीका आने वाले वर्षों में हजारों जिंदगियों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इस दौरान नर्सिंग अधीक्षक जितेन्द्र सिंहवी, बीपीएम प्रकाश नागौरी, नर्सिंग ऑफिसर मनीष तोलंबिया, एएनएम नीलम मेघवाल, आशा रानी एवं अमिशा मीणा सहित पूरी चिकित्सा टीम मौजूद है। टीम द्वारा टीकाकरण के साथ-साथ अभिभावकों और बालिकाओं को विस्तार से जानकारी देकर जागरूक भी किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के इस सराहनीय प्रयास से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बन रहा है और लोग तेजी से इस अभियान से जुड़ रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में अधिक से अधिक बालिकाएं इस टीके का लाभ लेकर स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की ओर कदम बढ़ाएंगी।

संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए

- ग्राम रथ अभियान के तहत ग्राम बोरी में तीन पोल लगाकर ढीले तारों की समस्या दूर
- लाभार्थी ने जताया मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार

प्रतापगढ़, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा ग्राम रथ अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जिले में ग्राम रथ अभियान की शुरुआत की गई, जिसके तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों को कवर किया गया, जिनमें ग्राम पंचायत बोरी भी शामिल रही। सरकार की इस प्रतिबद्धता का सकारात्मक उदाहरण ग्राम पंचायत बोरी में देखने को मिला।

जिला कलेक्टर शुभम चौधरी द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में एसी, एवीवीएनएल आर.के. अग्रवाल ने बताया कि ग्राम बोरी क्षेत्र से ढीले विद्युत तारों की शिकायत 28 अप्रैल को दोपहर 3 बजे संपर्क पोर्टल पर सहायक अभियंता की आईडी पर प्राप्त हुई थी।

शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 3 घंटे के भीतर शाम 6 बजे तक ढीले तारों के बीच तीन विद्युत पोल स्थापित कर समस्या का स्थायी समाधान कर दिया गया, जिससे परिवादी को तत्काल राहत मिली। परिवादी मन्नालाल ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के लगभग 15 मिनट के भीतर उन्हें कॉल प्राप्त हुआ तथा शाम 4:30 बजे कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

राजस्व, बंदोबस्त के लक्ष्य सजग होकर पूर्ण करें : नमित मेहता

- आबकारी आयुक्त ने विभागीय समीक्षा वीसी में अधिकारियों को दिए निर्देश

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीडियो क्रांफ्रेंस के माध्यम से विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित किया।

उदयपुर, (निसं)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि समस्त अधिकारी सजग व संवेदनशील होकर प्रदत्त दायित्व की पालना करेंगे तो वांछित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा। कार्य के प्रति लापरवाही एवं अनुशासनहीनता पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता वीडियों कॉफ्रेंस के माध्यम से विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेष सरकार की आबकारी नीति के तहत राजस्व, बंदोबस्त, बकाया वसूली, निरोधात्मक कार्यवाहियां सहित समस्त लक्ष्य समयबद्ध रूप से शत-प्रतिषत पूर्ण किए जाने चाहिए। बैठक में जिलेवार आबकारी राजस्व, बंदोबस्त, मदिरा उठाव, निरोधात्मक गतिविधियां, बकाया वसूली, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित विभागीय प्रकरण, जब्त वाहनों की नीलामी, मालखाना निस्तारण आदि की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देषित किया गया।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी में समस्त उपायुक्त ईपीएफ, जिला आबकारी अधिकारी एवं आबकारी निरीक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश में अवैध शराब के परिवहन, भण्डारण, विक्रय की रोकथाम के लिए विशेष निरोधात्मक अभियान एक से 15 मई तक चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान आबकारी निरोधक दल पुख्ता कार्यवाहियां करना सुनिष्चित करेंगे। जिन जिलों में अपेक्षा के अनुरूप कार्यवाहियां नही होगी उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत ने पीपीटी प्रजेन्टेशन के माध्यम से विभिन्न जिलों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसी क्रम में राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं मुख्यमंत्री जनसुनवाई के लंबित विभागीय प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन अनिल कुमार शर्मा, वित्तिय सलाहकार सुनिता विजय, उपायुक्त ईपीएफ प्रद्युम्न सिंह चुण्डावत सहित प्रदेश के समस्त जोन के अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त ईपीएफ, जिला आबकारी अधिकारी, सहायक आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक मौजूद रहे।

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

सं.35-36 दिनांक: 28.04.26

लोक सूचना

श्री निखिल निष्कलंक पिता श्री कैलाश निष्कलंक निवासी वत्सल्या भवन 100 फीट रोड़ आचार्य भिक्षु निलयम के पास राजनगर तहसील व जिला राजसमन्द इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1.	राजसमन्द	सनवाड़	2186/1718	रकबा 0.1020 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 28.04.26 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगरपरिषद, राजसमन्द

कार्यालय ग्राम पंचायत थाणा, पंचायत समिति ऋषभदेव जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- 15 दिनांक- 27.04.26

-: ई निविदा सूचना- 01/2026-27 :-

ग्राम पंचायत थाणा में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 11.05.26 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB No 1. ZUD2627A0329
UBN No 1. ZUD2627GLOB00439
Tender ID :- 2026_PRD_554664_1

प्रशासक, ग्राम पंचायत थाणा, पं.स. ऋषभदेव जिला उदयपुर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत थाणा, पं.स. ऋषभदेव जिला उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत ऋषभदेव, पंचायत समिति ऋषभदेव जिला उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- 46 दिनांक- 27.04.26

-: ई निविदा सूचना- 01/2026-27 :-

ग्राम पंचायत ऋषभदेव में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यो हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदाएं दिनांक 11.05.26 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB No 1. ZUD2627A0327
UBN No 1. ZUD2627GLOB00437
Tender ID :- 2026_PRD_554675_1

प्रशासक, ग्राम पंचायत ऋषभदेव, पं.स. ऋषभदेव जिला उदयपुर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत ऋषभदेव, पं.स. ऋषभदेव जिला उदयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत मादडी पंचायत समिति फलासिया जिला उदयपूर (राज.)

क्रमांक-GP/निविदा/2026-27/SPL-02 दिनांक: 28.04.2026

-: ई निविदा सूचना- 2026-27/02 :-

कार्यालय ग्राम पंचायत मादडी पं.सं. फलासिया के लिये जनजाति विकास कोष अनतर्गत जनजाति भागीदारी योजना में स्वीकृत निम्नांकित कार्यो हेतु इच्छुक एवं उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाएं निम्नानूसार आमंत्रित की जाती है। निविदाये दिनांक 29.04.26 प्रात: 10 बजे से दिनांक 09.05.26 को सांय 5:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिसकी विस्तृत जानकारी htttp://sppp.rajasthan.gov.in व htttp://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	वि.वि.
01.	इंटरलोकिंग निर्माण कार्य मेन रोड से खारीवाव की ओर ग्रा.प./पं.सं. मादडी फलासिया	15.00 लाख	Tender ID=2026_PRD_554688_1 NIB Code- ZUD2627A0323 UBN= ZUD2627WSRC00427
02.	सी सी रोड मय पूलिया निर्माण कार्य भेरूजी मंदिर के पास ग्रा.प./पं.स. मादडी फलासिया	20.00 लाख	Tender ID=2026_PRD_554705_1 NIB Code- ZUD2627A0323 UBN= ZUD2627WSRC00428
03.	सी सी रोड मय पूलिया निर्माण कार्य डुबागेल-पारगिया पाड़ा ग्रा.प./पं.सं. मादडी फलासिया	20.00 लाख	Tender ID=2026_PRD_554710_1 NIB Code- ZUD2627A0323 UBN= ZUD2627WSRC00430
04.	रा.उ.मा.वि. मादडी पं.सं. फलासिया में 1 प्रयोगशाला निर्माण	14.93 लाख	Tender ID=2026_PRD_554825_1 NIB Code- ZUD2627A0323 UBN= ZUD2627WSRC00448

सरपंच (प्रशासक), ग्राम पंचायत मादडी, पंचायत समिति फलासिया — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत मादडी, पंचायत समिति फलासिया

आईपीएल में इस बार कई टीमें हैं, किसी एक टीम को पसंदीदा बताना मुश्किल है। पंजाब किंग्स अच्छा खेल रही है, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी अच्छा खेल रही है। सबके सात-आठ मैच हुए हैं। अभी आधा टूर्नामेंट बाकी है। – सौरव गांगुली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, आईपीएल में पसंदीदा टीमों को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी

राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ऑरेंज कैप की रेस में टॉप पर काबिज हो गए हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ मंगलवार रात खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मुकाबले में 16 गेंदों में ताबड़तोड़ 43 रन की पारी खेली। इस मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हार का समाना करना पड़ा। वैभव ने विस्फोटक पारी में 3 चौके और 5 छक्के लगाए। इसी के साथ वह इस सीजन में 400 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस सीजन में अबतक खेले 9 मैचों में 44.44 की औसत और 238.09 की बेहतरीन स्ट्राइक रेट के साथ 400 रन बनाए।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर ने सबसे अधिक टेस्ट मैच (200) खेले हैं और सबसे अधिक रन (15,921) बनाए हैं। राहुल द्रविड़ ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा गेंदों का सामना किया है (31,258)।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग विवाद में फंस गए हैं। मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान वह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीते कैमरे में कैद हुए। इस मामले में भारतीय बोर्ड बीसीसीआई ने पराग से जवाब मांगा है। लाइव ब्रॉडकास्ट की यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो राजस्थान की बल्लेबाजी के 16वें ओवर का है। इसमें पराग ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल की मौजूदगी में कथित तौर पर ई-सिगरेट पीते दिख रहे हैं।

भारत में 2019 से ई-सिगरेट पूरी तरह बैन है – उल्लंघन पर जेल और जुर्माने का प्रावधान है रियान पराग का ई-सिगरेट पीना गलत माना जा रहा है। भारत सरकार ने ई-सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के तहत वेप्स और ई-सिगरेट के उत्पादन, बिक्री, आयात और विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाया है। उल्लंघन पर जुर्माने और जेल की सजा का प्रावधान है। ऐसे में एलीट एथलीट और टीम कप्तान का सार्वजनिक मंच पर इसका इस्तेमाल कानून और खेल की मर्यादा का उल्लंघन माना जा रहा है।

देवेंद्र क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 29 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 277 रन 5 विकेट के नुकसान पर बनाएं। भूमिका ने 71 और कौशलेंद्र सिंह ने 44 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी शास्त्री क्रिकेट अकादमी 11 ओवर में मात्र 45 रन पर ऑल आउट हो गई। शौर्य ने सर्वाधिक 20 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से रोहित गुर्जर ने 5 और दीपक सैनी ने 4 विकेट लिया। मैन ऑफ़ द मैच रोहित गुर्जर को चुना गया।

टीम-ए पहली पारी की बढ़त से जीती

कुमार वासुदेव व गौरव सालवी के शतक

जयपुर, 29 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटाजी ट्रॉफी में आज जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए जा रहे मैच में टीम ए ने टीम बी को पहली पारी की बढ़त से हराया। टीम ए ने पहली पारी में 91 रनो की बढ़त प्राप्त की। टीम ए ने दूसरे दिन के स्कोर से 3 विकेट पर 131 रन से आगे खेलते हुए कुमार वासुदेव के शतक 107 रन (156 गेंद, 17 चौके व 1 छक्के), गौरव सालवी के 170 रन (184 गेंद, 21 चौके व 5 छक्के) की पारियों से चौथे विकेट के लिए 233 रनो की साझेदारी की बदौलत, 81.5 ओवर में 408 रन बनाए। टीम बी के लिए सौरभ यादव ने 28 पर 3, कैफ गुडऐज ने 62 पर 3,निखिल कोहली ने 104 पर 2, आर्यन यादव व हिमान्य भारद्वाज ने एक एक विकेट लिया। टीम बी को जीत के लिए 500 रनों का लक्ष्य मिला। टीम बी ने मैच समाप्ति तक दक्ष कासलीवाल के 40 रन, रोहन राजभर के 34 रन व रोहन सिंह के नाबाद 19 रन से 18 ओवर में 3 विकेट पर 100 रन बनाए। टीम ए के लिए हिमांशु राणा, मेहुल पारीक ब रमेश शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17

नीरजा मोदी एकेडमी ने आर.डी. एकेडमी को हराया

जयपुर, 29 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैच में नीरजा मोदी एकेडमी ने आर डी एकेडमी को 2 विकेट से हराया। आर डी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमन तिरुपानी के 45 रन, अमन कुमार के 30 रन, अथर्व सिंह के 45 रन व आयुष सिंह के 17 रनो से 35.2 ओवर में 174 रन बनाए। नीरजा मोदी एकेडमी के लिए मनवीर सरावगी ने 20 पर 3, धनुष कोटिया ने 57 पर 3 व आदित्य ने 27 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में नीरजा मोदी एकेडमी ने दिवीत नकवाल के 56 रन, यशवर्धन सिंह के 19 रन, ध्रुव गुप्ता के 22 रन, मनवीर सरावगी के 20 रनो से 31.3 ओवर में 8 विकेट पर 175 रन बनाकर मैच जीत लिया। आर डी एकेडमी के लिए हिमांक सैनी ने 29 पर 3, मोहित शर्मा ने 18 पर 2, अथर्व सिंह व अमन तिरुपानी ने एक - एक विकेट लिया।

हाईस्कोरिंग मुकाबले में हैदराबाद ने मारी बाजी, मुंबई ने गंवाया छठा मुकाबला

मुंबई, 29 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2026 के 41वें मुकाबले में 6 विकेट से हराया। वानखेड़े स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 243 रन बनाए। मुंबई के लिए रिकल्टन ने शतक लगाया। 244 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम को ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 129 रन की साझेदारी हुई। हेड और क्लासेन की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने 8 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। हैदराबाद ने 18.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 249 रन बनाए। हैदराबाद की जारी सीजन में पांचवीं जीत है, जबकि मुंबई को छठे मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ रयान रिकल्टन की शतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 243 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद ने दमदार शुरुआत की है। अभिषेक शर्मा और ट्रेविस ने पावरप्ले में 6 ओवर में 92 रन बनाए। अभिषेक शर्मा 24 गेंद में 45 और ईशान किशन बिना खाता खोले आउट हुए। गजनफर ने दोनों को आउट किया। हार्दिक ने ट्रेविस हेड को आउट किया। हेड 30 गेंद में 76 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हेनरिक क्लासेन और नितीश कुमार रेड्डी ने पारी को संभाला। वानखेड़े स्टेडियम में सलामी बल्लेबाज रयान रिकल्टन ने नाबाद 123 रन बनाए। मुंबई इंडियंस की नई सलामी जोड़ी आज पारी की शुरुआत करने उतरी। मुंबई ने विल जैक्स और रयान रिकल्टन को पारी की शुरुआत के लिए भेजा है। विल जैक्स और रयान रिकल्टन ने टीम को दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी हुई। विल जैक्स 22 गेंद में 46 रन बनाकर नितीश का शिकार बने। सूर्यकुमार यादव 5 गेंद में 5 रन ही बना सके। नमन धीर 17 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए।

19वें ओवर की पहली ही गेंद पर साकिब हुसैन ने हार्दिक का शिकार कर लिया। हार्दिक पंड्या ने 15 गेंदों में दो चौके और दो छक्के उड़ाते हुए (31) रन बनाये। आखिरी ओवर में तिलक वर्मा (सात) हिंगे का शिकार बने। मुंबई इंडियंस ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 243 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए प्रफुल्ल हिंगे ने दो विकेट लिये। इशान मलिंगा, साकिब हुसैन और नीतीश कुमार रेड्डी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है।

रिकेल्टन ने मुंबई इंडियंस के लिए ठोका सबसे तेज शतक, आईपीएल में ध्वस्त किया 18 साल पुराना रिकॉर्ड

मुंबई, 29 अप्रैल। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन का बुधवार को आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ बल्ला गरजा। उन्होंने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 44 गेंदों में 100 रन कंप्लीट किए। मुंबई इंडियंस के ओपनर ने इस दौरान आठ चौके और सात छक्के लगाए। यह 29 वर्षीय रिकेल्टन का इंडियन प्रीमियर लीग में पहला शतक है। उन्होंने शतक लगाते ही 18 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। दरअसल, रिकेल्टन आईपीएल में मुंबई के लिए सबसे तेज शतक जड़ने वाले प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सनथ जयसूर्या को पछाड़ा। जयसूर्या ने आईपीएल 2008 में एमआई की ओर से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 45 गेंदों में सेंचुरी लगाई थी। युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा भी मुंबई के लिए 45 गेदों में शतक जमा चुके हैं। उन्होंने यह कारनामा मौजूदा सीजन में गुजरात टाइटंस (जीटी) के विरुद्ध किया था।

मैदान में उतरेगी अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दे दी है। अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम की महिला खिलाड़ियों ने तालिबान शासन के कारण पांच साल पहले अपना देश छोड़ दिया था और तब से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति मिलने का इंतजार कर रही थी। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में मंगलवार को हुई फीफा परिषद की बैठक में अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को मान्यता देने के लिए फीफा के नियमों में संशोधन करने पर सहमति बनी।

काली पट्टी पहनकर मुंबई इंडियंस के खिलाड़ियों ने खेला मैच

मुंबई, 29 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में बांह पर काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे हैं। फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक तौर पर इस कदम के पीछे की दुखद वजह बताई है। मुंबई ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि टीम के सपोर्ट स्टाफ के एक सदस्य की बेटी का असामयिक निधन हो गया है। फ्रेंचाइजी ने परिवार के प्रति एकजुटता और संवेदना व्यक्त करने के लिए काली पट्टी बांधी है। फ्रेंचाइजी ने मैच से पहले बयान जारी करके कारण की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि खिलाड़ी काली पट्टी परिवार के साथ स्मृति और एकजुटता के प्रतीक के रूप में पहन रहे हैं। फ्रेंचाइजी ने कहा, ''हमारे सपोर्ट स्टाफ की बेटी के असामयिक निधन के कारण, परिवार के साथ स्मृति और एकजुटता के प्रतीक स्वरूप मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी आज काली आर्मबैंड पहनेंगे मुंबई इंडियंस ने परिवार की गोपनीयता का सम्मान करते हुए सपोर्ट स्टाफ सदस्य या परिवार के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

आरसीबी के सामने कड़ी परीक्षा होगी गुजरात टाइटंस की

अहमदाबाद, 29 अप्रैल। निरंतरता हासिल करने के लिए बेताब गुजरात टाइटंस को गुरुवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शानदार फॉर्म में चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अब जबकि टूर्नामेंट का आधा चरण पूरा हो चुका है तब गुजरात टाइटंस की टीम आठ मैचों में चार जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रही है। दूसरी तरफ मौजूदा चैंपियन आरसीबी शानदार फॉर्म में है और उसने आठ मैचों में से छह में जीत दर्ज की है। आरसीबी अभी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। आरसीबी की तरफ से उसके तेज गेंदबाजों भुवनेश्वर कुमार और जोश हेज़लवुड ने मिलकर कहर बरपाया है। जहां भुवनेश्वर ने अपनी शानदार स्विंग से पुराने दिनों की याद दिला दी है, वहीं हेज़लवुड ने टेस्ट मैच के स्तर की गेंदों से बल्लेबाजों को परेशान किया है। वह बल्ले के बाहरी किनारे को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी कर रहे हैं। इसके अलावा बीच के ओवरों में क्रुणाल पंड्या का सामना करना भी बड़ी चुनौती है क्योंकि उनकी गेंदबाजी में काफी विविधता है। गुजरात टाइटंस की टीम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अधिक निर्भर है। उसके चोटी के तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने एक बार फिर अधिकतर रन बनाए हैं। वाशिंगटन सुंदर ने मध्य क्रम में अपनी काबिलियत साबित की है, जबकि शाहरुख खान और राहुल तेवतिया जैसे फिनिशर अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। आरसीबी ने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को करारी शिकस्त दी थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा होगा। दिल्ली में मिली बड़ी जीत के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा था, ''अपनी दिनचर्या का पालन करना बहुत जरूरी है क्योंकि अभी लंबा सफर तय करना है, लेकिन मुझे लगता है कि हम एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारे लिए सकारात्मक बात यह है कि हमारा कोई ना कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।''

फीफा का बड़ा फैसला : फुटबॉल में मुंह ढककर बहस पर अब सीधा रेड कार्ड, नया नियम लागू

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। चैंपियंस लीग मैच के दौरान विनीसियस जूनियर के खिलाफ की गई कथित नस्लीय टिप्पणी को गंभीरता से लेते हुए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संघ बोर्ड (आईएफएबी) ने एक नए नियम को मंजूरी दी है जिससे खिलाड़ियों को दूसरे खिलाड़ी से मौखिक बहस करते समय मुंह ढकने पर लाल कार्ड से दंडित किया जाएगा। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में मंगलवार को हुई बैठक में आईएफएबी ने सर्वसम्मति से इस नियम को मंजूरी दी। यह नियम 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप फुटबॉल में लागू होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने इस नियम का प्रस्ताव तब रखा था जब रियाल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर ने फरवरी में चैंपियंस लीग मैच के दौरान बेनफिका के जियानलुका प्रेस्टियानी पर मुंह ढककर नस्लीय टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने पिछले सप्ताह प्रेस्टियानी पर छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया था। अगर प्रेस्टियानी को अर्जेंटीना की विश्व कप टीम में चुना जाता है तो उन्हें पहले दो मैचों से बाहर रहना पड़ सकता है। इस प्रतिबंध के खिलाफ हालांकि अपील की जा सकती है। आईएफएबी ने बयान में कहा, ''किसी विरोधी खिलाड़ी के खिलाफ बहस के दौरान मुंह ढकने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड से दंडित किया जा सकता है।'' अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के नियम तय करने वाली संस्था ने यह भी घोषणा की कि रेफरी के फैसले के विरोध में मैदान छोड़ने वाले किसी भी खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाया जा सकता है। यह नियम उन टीम अधिकारियों पर भी लागू होगा जो खिलाड़ियों को मैदान छोड़ने के लिए कहते हैं।

विश्व बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप : सौरव कोठारी ने दिग्गज आडवाणी को हरा दूसरी बार जीता खिताब

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। भारत के सौरव कोठारी ने यहां एकतरफा फाइनल में हमवतन पंकज आडवाणी को हराकर आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। कोलकाता के खिलाड़ी ने तीन घंटे तक चले फाइनल में 19 बार के चैंपियन आडवाणी को 1133-477 से हराया। कोठारी ने लगातार अच्छे ब्रेक बनाए। उन्होंने 485, 121, 90, 241 और 155 के ब्रेक बनाकर अपनी जीत सुनिश्चित की। कोठारी ने फाइनल के बाद अपनी जीत को अपने पिताजी मनोज कोठारी को समर्पित किया जिनका इस साल के शुरू में निधन हो गया था।

उन्होंने कहा, ''मैं अपने पिताजी के लिए इस प्रतियोगिता को दोबारा जीतना चाहता था। यह जीत मैं अपने पिताजी को समर्पित करता हूं।'' कोठारी ने कहा, ''विश्व खिताब जीतना वाकई अविश्वसनीय लगता है और उसका बचाव करना तो और भी खास है।''

आडवाणी ने शुरू में 141 का ब्रेक बनाया लेकिन कोठारी ने 485 के साथ उसका करारा जवाब दिया। इसके बाद उन्होंने 121 और 90 के ब्रेक बनाकर आडवाणी को मुकाबले से बाहर कर दिया। आडवाणी जब 224-700 से पीछे चल रहे थे तब उन्होंने 64 का ब्रेक बनाया। कोठारी ने उनकी गलती का फायदा उठाकर 241 का ब्रेक बनाया और 941-288 से बढ़त हासिल करनी। आडवाणी ने इसके बाद 119 का ब्रेक बनाया लेकिन कोठारी ने 155 का ब्रेक हासिल करके अपनी आसान जीत सुनिश्चित की।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने आईसीसी वनडे रैंकिंग में लगाई छलांग

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। बांग्लादेश गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान और नाहिद राणा को आईसीसी पुरुष वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है। बांग्लादेश ने हाल ही में अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-1 से वनडे सीरीज जीत हासिल की और तीन मैचों की सीरीज में इन तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

शोरिफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान और नाहिद राणा ने सीरीज जीत में अहम योगदान देते हुए बांग्लादेश के लिए कुल 18 विकेट लिए, जिसका फायदा इन्हें वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में हुआ। वनडे गेंदबाजों की अपडेटेड रैंकिंग में शोरिफुल 11 पायदान ऊपर चढ़कर 28वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि रहमान 14 पायदान ऊपर चढ़कर 41वें स्थान पर पहुंच गए। सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे राणा ने अपने शानदार प्रदर्शन के बाद 16 पायदान ऊपर चढ़कर 48वें स्थान हासिल किया। न्यूजीलैंड के लिए इस सीरीज में पांच विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज विल ओरूर्के 21 पायदान ऊपर चढ़ते हुए 51वें स्थान पर पहुंच गए।

वनडे बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में भी कुछ ऐसी ही कहानी देखने को मिली, जिसमें नजमुल हुसैन शांतो (11 स्थान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर) और लिटन दास (15 स्थान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर) को फायदा हुआ। इस अनुभवी जोड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अहम योगदान दिया।

सीरीज में नजमुल ने कुल 155 रन और लिटन ने 129 रन बनाए। वनडे ऑलराउंडरों की रैंकिंग में मेहदी हसन मिराज को फायदा हुआ है। सीरीज के निर्णायक मैच में 22 रनों की नाबाद पारी और दो विकेट लेने के बाद 28 वर्षीय खिलाड़ी एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए ग्राउंडस्टाफ को आईपीएल की तैयारियों हेतु दिए निर्देश

जयपुर, 29 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव व सदस्य आशीष तिवाड़ी , अरिष्ट सिंघवी ने जयपुर में आगामी 1 मई को राजस्थान रॉयल्स - दिल्ली कैपिटल्स के मध्य सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले जाने वाले टाटा आईपीएल मैच के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ ग्राउंड स्टाफ द्वारा की जा रही तैयारियों को निरिक्षण किया।

संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी जयपुर में आईपीएल के आयोजन में राज्य सरकार, बीसीसीआई , राजस्थान रॉयल्स का हर स्तर पर सहयोग कर रही है। इसी कड़ी में आरसीए ने सवाई मान सिंह स्टेडयम मैदान को आईपीएल मैच के आयोजन के लिए नियमित ग्राउंड स्टाफ के साथ अन्य ग्राउंड से प्रशिक्षित ग्राउंड्समैन को भी सहयोग के लिए उपलब्ध कराया है व ये सभी दिन रात मेहनत कर सवाई मान सिंह स्टेडियम को उच्च स्तर पर तैयार करने हेतु अथक प्रयास कर रहे हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने बीसीसीआई ऑफिशल्स को भी पूर्ण विश्वास दिलाया है की आरसीए एडहॉक कमेटी जयपुर में आईपीएल के आयोजन के लिए हर स्तर पर पूर्ण सहयोग दे रही है व आरसीए आवश्यकता पड़ने पर अपने सभी अनुभवी ऑफिशल्स, आरसीए स्टाफ को भी सहयोग करने के लिए उपलब्ध कराएगा। राजस्थान रॉयल्स - दिल्ली कैपिटल्स मैच से पूर्व आज सवाई मान सिंह स्टेडियम पर दिल्ली कैपिटल्स टीम ने अभ्यास किया। भारत के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी व दिल्ली कैपिटल्स के स्पोर्ट स्टाफ मुनाफ पटेल ने आरसीए द्वारा आईपीएल मैचों के लिए तैयार किये गए ग्राउंड की जमकर तारीफ करते हुए कहा की जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम का ग्राउंड आईपीएल का सबसे उच्च स्तरीय व शानदार ग्राउंड है जिसका सारा श्रेय आरसीए व उसके स्टाफ को जाता।

भारतीय गोल्फर विजय कुमार का 57 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। भारत के दिग्गज गोल्फर विजय कुमार का उनके गृह नगर लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 साल के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे।विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया। उन्होंने एक दशक से भी ज्यादा समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले 9 भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अल्फ्रेड डनहिल कप में भी भारत का प्रतिधित्व किया था। डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षित बताया है।

श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने अपने पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने तत्काल प्रभाव से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बोर्ड ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी। श्रीलंका क्रिकेट ने बयान में बताया कि एसएलसी के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने आज अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ एसएलसी की एग्जीक्यूटिव कमिटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी अपना इस्तीफा दे दिया है।एसएलसी के अनुसार इस फैसले के बारे में औपचारिक रूप से राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और युवा मामले एवं खेल मंत्री सुनील कुमारा गमागे को बता दिया गया है। हालांकि बोर्ड इस्तीफों का तत्काल कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया है।ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार सिल्वा ने फरवरी 2019 में अध्यक्ष का पद संभाला था। उन्होंने थिलंगा सुमाथिपाला का स्थान लिया, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। शुरुआत में सिल्वा को सुमाथिपाला का करीबी माना जाता था, लेकिन उन्होंने धीरे-धीरे इस पद पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और लगातार चार कार्यकाल पूरे किए, जिनमें से तीन चुनाव निर्विरोध जीते।उनके सात साल के कार्यकाल के दौरान पुरुष और महिला टीमों ने एशिया कप खिताब जीते, लेकिन लगातार सफलता हाथ नहीं लगी। पुरुष टीम की रैंकिंग में भारी गिरावट आई। इसके अलावा 2023 वनडे विश्व कप (नौवें स्थान पर) और 2024 और 2026 टी20 विश्व कप (जिसकी सह-मेजबानी श्रीलंका ने की थी) में निराशाजनक प्रदर्शन रहा।

जनगणना भविष्य की दिशा तय करने वाला महायज्ञ है- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रदेशवासियों से जनगणना में सहभागिता निभाने की अपील की

जयपुर, 29 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से भारत की 'जनगणना 2027' में अपनी सहभागिता निभाने के लिए अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने वाला एक महान राष्ट्रीय यज्ञ है। उन्होंने नागरिकों से आ ान किया कि जनगणना में सहभागिता को सामाजिक न्याय के अवसर के रूप में अपनाएं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। जनगणना कार्मिक लंबी दूरियां तय करके लोगों तक पहुंचेगे, ऐसे में आमजन जनगणना के कार्य में उनका सहयोग करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि मकान और परिवार से संबंधित सटीक, सत्य और पूर्ण जानकारी प्रदान कर इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी आहुति दें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

उन्होंने बताया कि राजस्थान में जनगणना 2027 का प्रथम चरण मई से शुरू हो रहा है। इसके तहत मकानों की सूची और गणना का कार्य 16 मई से 14 जून तक किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रदेशवासी आवश्यक सहयोग करते हुए मकानों की गणना से संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर देकर अपना दायित्व निभाएं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि डिजिटल इंडिया के विजन को आगे बढ़ाते हुए 1 मई से 15 मई के बीच नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाए और ... पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रीय दायित्व के सहभागी बनें।

गौरतलब है कि सटीक जनगणना विकास योजनाओं का एक महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के समय संकलित आंकड़ों से ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण एवं क्रियान्वयन प्रभावशीलता के साथ संभव हो पाता है। सरकार को पुख्ता आंकड़ों से ही गांव-शहरों के व्यक्तियों और परिवारों की स्थिति, बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल, चिकित्सालय, घरेलू गैस कनेक्शन आदि की उपलब्धता और आवश्यकता के बारे में जानकारी मिलती है। ऐसे में सभी नागरिक अपना सक्रिय योगदान देते हुए जनगणना 2027 को सफल बनाएं।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डिजिटल इंडिया के विज़न के तहत 1 मई से 15 मई तक नागरिकों को स्व गणना की सुविधा दी गई है। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाये।

भारी वर्षा से बेंगलुरु के अस्पताल की दीवार गिरी

बेंगलुरु, 29 अप्रैल । शहर में शिवाजीनगर स्थित बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार भारी बारिश के कारण बुधवार को ढहने से कई लोग मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हो गई है, लेकिन अधिकारिक रूप से अभी पुष्टि नहीं की गई।मौके पर बचाव व राहत कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया है।

बताया गया कि बुधवार शाम को तेज बारिश के दौरान बोरिंग एंड लेडी कर्जन अस्पताल की एक पुरानी चहारदीवार अचानक ढह गई। इस घटना में 15 लोग दीवार के मलबे में दब गए है। प्रारंभिक जानकारी में सात लोगों की मौत हुई है, लेकिन अधिकारिक रूप से अभी पुष्टि का इंतजार है। इस हादसे में कई बच्चों समेत अन्य लोग भी घायल भी हुए हैं। बचाव व राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए हैं।

ममता बनर्जी ने भवानीपुर के बूथों का निरीक्षण किया

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि आयोग ने बाहर से पर्यवेक्षक बुलाकर मतदाताओं को डराया है

कोलकाता, 29 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान आज भवानीपुर में राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। यहां से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मैदान में हैं। उन्होंने सुबह कई बूथों का दौरा कर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए।

ममता कालीघाट स्थित अपने आवास से निकलकर चेतला और पद्मपुकुर रोड इलाके में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने कई मतदान केंद्रों के बाहर रुककर स्थिति का जायजा लिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत भी की। बाद में उन्होंने चक्रबेड़िया क्षेत्र के एक बूथ का भी निरीक्षण किया।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में ममता ने मतदान प्रक्रिया के दौरान बाहरी पर्यवेक्षकों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ लोग बाहर से आकर मतदाताओं में भय का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले बिना परामर्श के किए जा रहे हैं।

ममता ने कहा, "कई पर्यवेक्षक राज्य के बाहर से आये हैं। वे बीजेपी के आदेश पर काम कर रहे हैं। कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। हमने कोर्ट की अवमानना का नोटिस भेजा है, फिर भी कई बाहरी पर्यवेक्षकों को यहां लाया गया है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग तृणमूल कांग्रेस को खुलेआम परेशान कर रहा है। न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं हो रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहरी पर्यवेक्षक मतदाताओं के बीच भय और दहशत फैला रहे हैं।

विपक्ष के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने ममता बनर्जी के सुबह-सुबह बूथ निरीक्षण करने पर पर तंज कसते हुए कहा कि वे दबाव में आकर सुबह ही मैदान में उतर गई हैं। उन्होंने कहा कि बिना दबाव के नेता ऐसे कदम नहीं उठाते।

- ममता बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ रही हैं जहां उनका मुकाबला भाजपा के शुभनेन्दु अधिकारी से है।

प.बंगाल में चुनाव के दौरान 539 करोड़ रु. से ज्यादा की नकदी व अवैध सामान जब्त

चुनाव आयोग ने भारी मात्रा में नकदी, अवैध शराब, ड्रग्स व हथियार पकड़े हैं

कोलकाता, 29 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दूसरे चरण के मतदान के बीच राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने बुधवार को प्रेस विज्ञिप्त जारी कर चुनावी आचार संहिता के दौरान सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और चुनावी कार्रवाई से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, 15 मार्च 2026 से अब तक राज्यभर में बड़े पैमाने पर अवैध हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं। ?

अब तक 397 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं। इसके अलावा 712 कारतूस, 222.57 किलोग्राम विस्फोटक और कुल एक हजार 365 बम जब्त किए जाने की भी जानकारी दी गई है। वहीं, राज्य में कुल पांच लाख 28 हजार 694 लाइसेंसी हथियारों में से एक लाख 70 हजार छह हथियार जमा कराए गए हैं।

निर्वाचन आयोग ने बताया कि 26 फरवरी 2026 से 28 अप्रैल रात नौ बजे तक राज्यभर में भारी मात्रा में नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुएं और फ्रीबीज जब्त की गई हैं। अब तक 30 करोड़ 69 लाख 77 हजार रुपये नकद जब्त किए गए हैं। 51 लाख 43 हजार 44.71 लीटर शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत 134 करोड़ 55 लाख आठ हजार रुपये आंकी गई है।

ड्रग्स और नारकोटिक्स की बात करें तो 67 लाख 74 हजार 550.31 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 119 करोड़ 73 लाख 87 हजार रुपये है। इसके अलावा तीन लाख 74 हजार 215.97 ग्राम कीमती धातुएं बरामद हुई हैं, जिनकी कीमत 65 करोड़ 60 लाख 35 हजार रुपये बताई गई है। फ्रीबीज और अन्य सामान की जब्ती का मूल्य 189 करोड़ 13 लाख 24 हजार रुपये है। कुल मिलाकर अब तक 539 करोड़ 72 लाख 31 हजार रुपये की जब्ती की जा चुकी है।

- चुनाव आयोग ने बताया 397 अवैध हथियार, 712 कारतूस, 1365 बम जब्त किए तथा 5.28 लाख लाइसैंसी हथियारों में से 1.70 लाख को थाने में जमा किया गया था।

तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष लेह पहुंचे

लेह, 29 अप्रैल । आध्यात्मिक उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच तथागत बुद्ध के पवित्र पिपरावा अवशेष बुधवार को लेह पहुंचे। इसी के साथ केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में ऐतिहासिक व आध्यात्मिक उत्सव का शुभारंभ हो गया। लद्दाख में ये अवशेष 2 से 10 मई तक, बाद में 11 और 12 मई को ज़ांस्कर में और फिर 13 से 14 मई को लेह के धर्म केंद्र में लोगों के दर्शनार्थ रखे जाएंगे। इसके बाद 15 मई को इन्हें वापस दिल्ली लाया जाएगा।

केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नई दिल्ली से लेह हवाई अड्डे पहुंचने पर पवित्र अवशेषों का हार्दिक और श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। नई दिल्ली में ही ये पवित्र अवशेष मूल रूप से संरक्षित हैं।

- लद्दाख के विभिन्न शहरों से लोग 2 मई से 14 मई तक इनके दर्शन करेंगे।

गुजरात साबरकांठा में बस ने कार को टक्कर मारी, 6 की मौत

बुधवार सुबह हुए इस हादसे में लग्ज़री बस ने कार को टक्कर मार दी, हादसे में 8 अन्य घायल हुए हैं

साबरकांठा, 29 अप्रैल । गुजरात के साबरकांठा जिले में बुधवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, हिम्मतनगर के पास जसवंतगढ़ पाटिया के निकट शामलाजी से अहमदाबाद जाने वाले नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार से आ रही एक निजी लग्जरी बस ने आगे चल रही इको कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे में कार सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी मूलसिंह मकवाना ने बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का पिछला और ऊपरी हिस्सा पूरी तरह दब गया। कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल होकर अंदर ही फंस गए थे।

- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार का पिछला हिस्सा दब गया था, गंभीर रुप से घायल कुछ लोगों को बड़ी मुश्किल से निकाला गया।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसला सुरक्षित रख चुका है। वह बीते कई दिनों से अंतरिम जमानत पर हैं और अपना इलाज करा रहे हैं। यदि अंतरिम जमानत की अवधि को आगे नहीं बढ़ाया तो उपचार बीच में छोड़कर वापस जेल में सरेंडर करना होगा।

ऐसे में उसकी स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ाया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अंतरिम जमानत की अवधि को 25 मई तक बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि नाबालिग से यौन उत्पीडन मामले में आसाराम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। वहीं निचली अदालत के आदेश के खिलाफ पेश अपील पर हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

'अगले दो दशक में असामान्य गर्मी में 40 दिनों की वृद्धि होगी'

काउंसिल ऑन एनर्जी एनवायरमैंट एंड वॉटर ने आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस आधारित क्रेविस प्लेट फॉर्म जारी कर जानकारी दी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) ने बुधवार को आर्टिफिशियसल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित क्लाइमेट रेजिलिएंस एनालिटिक्स एंड विजुअलाइजेशन इंटेलिजेंस सिस्टम (क्रेविस) को जारी किया। इस मौके पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर पीयूष गोयल ने कहा कि सीईईडब्ल्यू का बनाया क्रेविस प्लेटफॉर्म इस बात में व्यापक बदलाव ला सकता है कि लगातार गर्म होती दुनिया में भारत अपनी योजनाएं कैसे बनाए। पीयूष गोयल ने कहा कि बढ़ता तापमान, गर्म दिनों की बढ़ती संख्या और भारी बारिश की लगातार होती घटनाएं, इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि जलवायु परिवर्तन भारत के लिए मौजूदा समय की वास्तविकता है, जो हमारी अर्थव्यवस्था और दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है।

काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर के सीईओ डॉ. अरुणाभा घोष ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म जलवायु लचीलेपन (क्लाइमेट रेजिलिएंस) के लिए हमारे 12 वर्षों के कार्यों पर आधारित है: 2014-15 में शुरुआती वैश्विक प्रयासों से लेकर बहुत ही बारीक शहर-स्तरीय विश्लेषणों तक, जैसे कि अमरावती में हमारा काम हो या सभी जिलों के जोखिम की मैपिंग करना, या अब लचीलेपन को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई केविस जैसी एक गतिशील, एआई-सक्षम प्रणाली। जलवायु विज्ञान और एआई में प्रगति के बावजूद, निर्णयकर्ताओं को अभी भी ऐसी व्यावहारिक जानकारियों (ऐक्शनेबल इनसाइट्स) की जरूरत होती है जो उन्हें समय पर कदम उठाने में सक्षम बनाए। क्रेविस को क्लाइमेट इंटेलिजेंस को एक मॉडल से निकालकर शासन के सभी स्तरों पर निर्णय-कर्ताओं के हाथों तक पहुंचाने के लिए विकसित किया गया है, ताकि इसे भारत के सभी जिलों से लेकर बाजारों तक, और अंत में संपूर्ण ग्लोबल साउथ में विभिन्न क्षेत्रों और स्तरों पर दैनिक योजनाओं और प्रतिक्रिया प्रणालियों के लिए उपयोगी, विश्वसनीय और उसमें शामिल करने योग्य बनाया जा सके।

- कार्यक्रम में मौजूद केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, बढ़ते तापमान के अनुरुप देश की योजनाएं बनाई जाएंगी।

कोटा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खींचकर ले गया। बेटे चंद्रप्रकाश और गोलू ने बचाने की कोशिश की, इस दौरान मगरमच्छ के हमले से चंद्र प्रकाश के हाथ पर चोट लग गई। थानाधिकारी ने बताया कि मगरमच्छ का भी खतरा बना हुआ था, इसलिए रेस्क्यू टीम का इंतजार किया गया, लेकिन टीम आने से पहले ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों की मदद से मुरली के शव को चंबल नदी से रिकवर कर लिया गया। वन विभाग को भी मामले की सूचना दी गई। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेता प्रतिपक्ष शुभेन्दु अधिकारी भवानीपुर सीट पर आमने-सामने हैं। इसके अलावा राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप बिश्वास, जावेद खान, सुजीत बसु, शशि पांजा समेत सत्तारूढ़ तृणमूल सरकार के कई मंत्री, बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, माकपा की मीनाक्षी मुखर्जी और दीप्शिता धर शामिल हैं। इसके अलावा आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देवनाथ एवं संदेशखाली आंदोलन का चेहरा रेखा पात्र भी भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार हैं।

'जवाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महाधिवक्ता महावीर बिश्नोई व सहयोगी अधिवक्ता हर्षवर्धन सिंह, अतिरिक्त महाधिवक्ता बीएल भाटी व सहयोगी अधिवक्ता दीपक चांडक, अतिरिक्त महाधिवक्ता एन.एस. राजपुरोहित की ओर से अतिरिक्त सहायक महाधिवक्ता अदिति शर्मा और केन्द्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल व वरिष्ठ अधिवक्ता भरत व्यास, मय सहायक अधिवक्ता टी.सी. शर्मा और अभिषेक अग्रवाल ने पक्ष रखा।

प्र.मंत्री मोदी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी देखी

विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी है

वाराणसी/भोपाल, 29 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा विश्वनाथ को समर्पित विश्व की पहली 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' का अवलोकन किया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, 3 अप्रैल 2026 को यह विशेष घड़ी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी। इसके अगले दिन 4 अप्रैल 2026 को इसे काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित किया गया।

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार डॉ. श्रीराम तिवारी ने बताया कि कालगणना की नगरी उज्जैन में विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की स्थापना की गई थी, जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 फरवरी 2024 को किया था। यह घड़ी वैदिक कालगणना के सभी प्रमुख घटकों को समाहित करती है और सूर्योदय के आधार पर संचालित होती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी प्रवास के दौरान बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्वर्णमंडित गर्भगृह में विधिवत पूजन-अभिषेक किया। पूजा के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में स्थापित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का अवलोकन किया और इसकी विशेषताओं की जानकारी ली। डॉ. तिवारी ने बताया कि आने वाले समय में अयोध्या स्थित राम मंदिर सहित देश के सभी ज्योतिर्लिंगों में भी वैदिक घड़ी स्थापित करने की योजना है। इससे भारतीय संस्कृति, परंपरा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को एक साथ आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन द्वारा भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की पहली 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' विकसित की गई है। यह घड़ी एक सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक के समय की गणना करती है।

- यह घड़ी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी।

'प.बंगाल में मामूली बढ़त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव हुए। एग्ज़िट पोल के नतीजे केवल मतदान समाप्त होने के बाद ही प्रकाशित किए जा सकते हैं, और चुनाव आयोग का प्रतिबंध बुधवार शाम 6:30 बजे तक लागू है।

चाणक्य स्ट्रैटेज़ीस के अनुसार, भाजपा को लगभग 150-160 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 130-140 सीटें मिलने की संभावना है। अन्य पार्टियां लगभग 6-10 सीटें जीत सकती हैं।

2021 में एग्ज़िट पोल ने बंगाल में टीएमसी और भाजपा के बीच करीबी मुकाबले का अनुमान लगाया था। उस समय पोल ऑफ पोल्स ने अनुमान लगाया था कि ममता बनर्जी की टीएमसी 292 सीटों में से 156 जीत सकती हैं और भाजपा को 121 सीटें मिल सकती हैं।

लेकिन अंततः, ममता बनर्जी की टीएमसी ने भारी जीत हासिल की और 292 सीटों में से 215 सीटें जीतीं। भाजपा ने 77 सीटें जीतकर पहली बार पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी।

जैसे-जैसे एग्ज़िट पोल के आंकड़े आ रहे हैं, इस लाइव ब्लॉग में सीटों का अनुमान, वोट शेयर, क्षेत्रवार रुझान, टीएमसी की बढ़त या भाजपा की प्रगति और गिनती के दिन से पहले संभावित संकेतों पर नजर रखी जाएगी।

एग्ज़िट पोल बंगाल और असम में भाजपा की, तमिलनाडु में द्रमुक की तथा केरल में यूडीएफ की जीत बता रहे हैं।

असम: अधिकांश पोल्स से संकेत मिलता है कि भाजपा की हिमंता बिस्वा सरमा सरकार को मजबूत बढ़त मिल सकती है, जिससे लगातार तीसरी बार उसके सत्ता में आने की संभावना है। कांग्रेस कमजोर स्थिति में है।

तामिलनाडु: अधिकांश एग्ज़िट पोल एमके स्टालिन के द्रमुक गठबंधन की जीत दिखा रहे हैं। टीवीके कुछ क्षेत्रों में प्रभाव बढ़ा रहा है। तीन अनुमानों में द्रमुक गठबंधन आधे निशान के आसपास या उससे ऊपर दिख रहा है।

केरल: "ऐक्सिस माइ इंडिया" के अनुसार, यूडीएफ 78-90 सीटों के साथ आगे है, एलडीएफ 49-62 सीटों पर और भाजपा प्लस 0-3 सीटों पर सीमित रह सकती है। जेवीसी एग्ज़िट पोल में एनडीए को 88-101 सीटों की बढ़त दिखाई गई है।

तमिलनाडु: पीपुल्स पल्स एग्ज़िट पोल में द्रमुक प्लस गठबंधन को 125-145 सीटें मिलीं, अन्नाद्रमुक प्लस को 65-80 सीटें और टीवीके को 18-24 सीटें मिल सकती हैं।

पुडुचेरी: ऐक्सि माइ इंडिया के अनुसार एनडीए को 16-20 सीटें और द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन को 6-8 सीटें मिलने की संभावना है। टीवीके को 2-4 सीटें मिल सकती हैं। पुडुचेरी विधानसभा में कुल 30 सीटें हैं।

प.बंगाल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पास) पर टेप लगी हुई दिखाई गई। उन्होंने दावा किया कि एक अन्य बूथ भी इसी तरह से प्रभावित हुआ है, साथ ही कई अन्य बूथ भी। इसके जवाब में, तृणमूल प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा कि मालवीय को अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों से शिकायत करनी चाहिए और चुनाव आयोग के पास यह मामला उठाना चाहिए, बजाय ऑनलाइन पोस्ट करने के। दत्ता ने कहा, "पूरा मामला चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। वे क्या कर रहे हैं? ट्वीट करने के बजाय, अमित मालवीय को अपने शीर्ष अधिकारियों से शिकायत करनी चाहिए कि (मुख्य चुनाव आयुक्त) ज्ञानेश कुमार को तुरंत हटाया जाए। (पुलिस पर्यवेक्षक) अजय पाल शर्मा को भी निलंबित किया जाना चाहिए, क्योंकि वे भाजपा की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। अगर ईवीएम में छेड़छाड़ होती है तो हम क्या करें? यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। चुनाव आयोग क्या कर रहा है?" दत्ता ने कहा कि तृणमूल जहाँ आवश्यक समझती है, वहां उचित प्राधिकरण के पास शिकायत कर रही है और भाजपा को भी ऐसा ही करना चाहिए।" उन्होंने कहा, वे भेड़िया की तरह शोर मचा रहे हैं क्योंकि बंगाल और ममता बनर्जी के खिलाफ अपनी पूरी ताकत झोंकने के बावजूद हार रहे हैं।" दिन की शुरुआत में, ममता बनर्जी ने केन्द्रीय बलों पर "भाजपा के आदेश पर काम करने" का आरोप लगाया और भाजपा पर यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने राज्य के बाहर से पर्यवेक्षक लाकर मतदाताओं को डराने की कोशिश की।

द्वितीय चरण का मतदान पूर्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिए कि किसी भी मतदाता को बिना वोट डाले वापस नहीं भेजा जाना चाहिए और उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे। यह उत्साह इस बात का प्रमाण था कि मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष और न्यायसंगत थी।

यह चुनाव ऐसा था, जिसमें सत्तारूढ़ दल द्वारा बड़े पैमाने पर धांधली और उसके गुंडों द्वारा मतदाताओं को डराने-धमकाने की घटनाएँ नहीं हुईं। हताशापूर्ण प्रयासों के बावजूद, तृणमूल कांग्रेस सुरक्षा व्यवस्थआ पर कोई प्रभाव नहीं डाल सकी और न ही व्यापक डर या धमकी की स्थिति पैदा कर सकी।

इसका परिणाम यह हुआ कि मतदान बड़ी मात्रा में हुआ और दोनों चरणों में कुल मतदान 90 प्रतिशत से अधिक गया। चुनाव आयोग को उत्कृष्ट व्यवस्था और सुचारू मतदान के लिए हर प्रकार की प्रशंसा मिलनी चाहिए, हालांकि कुछ आलोचकों ने केन्द्रीय बलों की भूमिका और हिंसा पर उनके कड़े रुख या मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों की आलोचना की।

बेशक, सत्तारूढ़ दल के प्रतिष्ठित बाहुबली नेताओं द्वारा मतदान प्रक्रिया पर अब तक निर्बाध नियंत्रण रखने के कई प्रयास हुए। उदाहरण के लिए, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के एक करीबी सहयोगी ने डायमंड लेबर क्षेत्र में पहले की तरह ही चुनाव कराने की योजना बनाई।

कल ही, उन्होंने अपने क्षेत्र में मतदाताओं से मतदाता पहचान पत्र जबरन एकत्र करना शुरू कर दिया था। उन्हें कड़ी चेतावनी तब मिली, जब उनके क्षेत्र के पोल ऑब्जर्वर ने उनके कार्यालय और घर में छापा मारा और चेतावनी दी कि यदि वे नहीं सुधरे तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद, जहांगीर फरार हो गया और मतदान के दिन नहीं दिखा।

दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी के चुनाव क्षेत्र, भवानीपुर में मतदान को प्रभावित नहीं कर सकी। वहाँ उनके प्रतिद्वंदी थे भाजपा के शुबनेन्दु अधिकारी, जिन्होंने पिछले विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से उन्हें हराया था।

जब अधिकारी व्यवस्था देखने आए, तो ममता बनर्जी अपने क्षेत्र में ही इंतजार करती रहीं। इसके बाद, तृणमूल कांग्रेस ने उस समय कुछ शरारत करने का प्रयास किया, जब अधिकारी व्यवस्था का निरीक्षण कर रहे थे।

इस चुनाव का थीम, जिसे लोगों ने स्वाभाविक रूप से व्यक्त किया, शासन में परिवर्तन था। भाजपा ने इस थीम को अपने मुख्य आ ान के रूप में कुशलतापूर्वक अपनाया और एग्ज़िट पोल में भी यही संकेत मिला।

मतदान समाप्त होने के बाद, अधिकांश एग्ज़िट पोल्स ने भाजपा के बहुमत और राज्य में उसके वोट शेयर में अच्छी-खासी वृद्धि की भविष्यवाणी की। लेकिन पोल के आंकड़े जटिल और आपस में उलझे हुए हैं, जिससे विभिन्न कारकों का असर समझना कठिन हो गया है।

एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मतदान प्रतिशत काफी बढ़ गया। पिछले सभी चुनावों की तुलना में इस बार मतदान स्पष्ट रूप से बहुत अधिक था। मतदान समाप्त होने के समय, 93-95 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने वोट डाले।

इसके अलावा, इस बार मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। अब तक, बड़ी संख्या में वोट सत्तारूढ़ दल द्वारा फर्जीवाड़े से डलवाये जाते थे। सत्तारूढ़ दल को बड़ी मात्रा में फर्जीवाड़ा करना पड़ता था, क्योंकि उन्हें यकीन नहीं होता था कि वोट उनके पक्ष में डाले जाएंगे।

इसलिए यह मान लेना सुरक्षित है कि यदि मतदान में फर्जीवाड़ा नहीं हुआ, तो वोट शासन के खिलाफ डाले गए।

इसके अलावा, हाल ही में संपन्न एसआईआर प्रक्रिया के तहत लगभग एक करोड़ मतदाता मतदाता सूची से हटाए गए। यह संख्या महत्वपूर्ण है, खासकर यह देखते हुए कि कई मामलों में जीत का अंतर ज्यादा बड़ा नहीं होता था। अब यह स्पष्ट नहीं है कि एसआईआर सीट जीत अनुपात और परिणामों को कैसे प्रभावित करेगी।

सभी एग्ज़िट पोल्स भाजपा के वोट शेयर में तीव वृद्धि दिखा रहे हैं। यह सीटों की संख्या पर भी दिखाई देगा।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908